27 year Anniversary
22 जून से 6 जुलाई 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड

Raymond
LOOK GOOD
FEEL GOOD

EXCHANGE
your pre-owned garments & get
FREE*
STITCHING
ON SHIRTS & TROUSERS

FROM 4TH JULY, 2025 ONWARDS

ALL CONTRIBUTED GARMENTS WILL GO TOWARDS OUR ASSOCIATED PARTNER

गूंज..
GOONJ.. a voice, an effort
www.goonj.org

*T&C Apply | Limited period offer

Available at select THE Raymond SHOP and multi-brand outlets.

RAYMOND TRADE PARTNERS TURNED SHOW STOPPERS

Walking the ramp : Turning heads, setting trends, taking the spotlight.
Celebrating their very own distinctive styles!

Raymond Fine Fabrics recently hosted an unforgettable event in Goa for the launch of its much-anticipated **Autumn Winter'25 - Exotic Collection.**

The event was a true fashion extravaganza, offering guests an immersive experience that celebrated bold designs, seasonal elegance, and the brand's enduring ***100 year legacy***.

The showcase featured an extensive array across all major categories-Raymond Suiting, Raymond Shirting, and Raymond Home.

Attendees had the opportunity to explore a wide spectrum of premium Linen & Wool offerings, including signature and luxury collections, Raymond's Italian fabric range, and other everyday performance and celebration led collections.

The Raymond Runway:

An Evening of Passion, Fashion, Elegance and Style

In a spectacular celebration of fashion, flair, and fraternity, Raymond hosted an unforgettable evening dedicated to its valued dealers, agents, and wholesale partners.

What began as a gathering of business associates quickly transformed into a glamorous affair, as the spotlight turned to their very own ***fashion crusaders***.

Taking centre stage were members of the trade community, who confidently walked the ramp-not just as participants, but as style icons in their own right.

Adding to the charm was the participation of Raymond employees and senior leaders who joined the fashion galore on the ramp along with the others . Dressed in curated ensembles crafted from Raymond's finest fabrics, each participant brought their own unique flair, turning the runway into a vibrant ***display of individuality and self - expression***.

The event was more than just a fashion show-it was a celebration of the people who represent the Raymond ethos across markets internally and externally as ***one big family***. Their spirit, energy, and effortless elegance made the evening truly memorable.

From tailored classics to bold statements, the ramp was a reflection of the timeless yet ever-evolving Raymond style-and a reminder that fashion is for everyone who wears it with confidence.

Recognising Style and Substance

The unique fashion show was judged by an esteemed panel comprising:

Mrs. Surbhi Pansari (Primarc Retail, Kolkata)
Mr. Dalbir Singh (Centrepoint, Bhubaneswar)
Mr. Bipin Chauhan (Jade Blue, Ahmedabad)
Mr. Prakash Jain (Pokarna Fabrics, Hyderabad).

These industry veterans and style icons brought their discerning eye to the runway as they selected standout stars across key categories for exceptional style, creativity, and presentation.

While every participant was a star, some shone just a little brighter. Here are the winners across broad categories:

WINNERS

Ceremonial Category
Mr. Manoj Maheshwari - Mangalam, Ranchi &
Mr. Ashwini - Regal Plus, Hissar

Suit Category
Mr. Mussavir Khan - SM Apparels, Noida &
Mr. Rakesh Barnwal - Akshara Retail Stores, Asansol

Linen & Shirting Category
Mr. Dhaval Prakash - Kambalgarh Enterprises, Varanasi &
Mr. Akshay Juneja, BRSM Apparels, Meerut

The event was not just a showcase of fashion, but a ***Celebration of a Century of Raymond***-marking 100 years of trust, craftsmanship, innovation and enduring relationships, Raymond continues to lead the way in men's fashion with unwavering purpose and passion.

पाक्षिक
CELEBRATING 27th year Anniversary
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-06-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-28 | अंक-01 | भीलवाड़ा/22 जून 2025 | कुल पृष्ठ- 32 | मूल्य : 25 रुपए | 1

दिल्ली कपड़ा बाजार

मिलों द्वारा सूटिंग-शर्टिंग की अच्छी बुकिंग

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में जून के प्रथम पखवाड़े के दौरान कारोबार कमजोर रहा। हालांकि अनेक सूटिंग मिलों ने बुकिंग और कॉन्फ्रेंस करके अच्छी बुकिंग प्राप्त की है, क्योंकि आशा है कि आगामी माह से कारोबार में तेजी से सुधार होगा और सीजन लम्बा चलेगा। व्यापारियों का कहना है कि अप्रैल माह में कुछ गति आई थी, लेकिन मई में कारोबार कमजोर रहा और जून में तो एकदम ठंडा हो गया। जानकारों के अनुसार कुछ वर्ष पूर्व गर्मियों के वैवाहिक सीजन में ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी संख्या में शादियां होती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे शादियों कम होने लगी हैं और विंटर में ही वैवाहिक सीजन सिमट गया है। व्यापारियों का मानना है कि अब जुलाई में कारोबारी सुगबुगाहट आरंभ होगी और उसके बाद मांग में लगातार सुधार होता रहेगा। आगे दुर्गा पूजा, दीवाली आदि की मांग के साथ ही वैवाहिक सीजन भी आरंभ होने के कारण कारोबार अच्छा बने रहने का अनुमान है।

आलोच्य पखवाड़े के कारण सिंथेटिक, सूटिंग-शर्टिंग में कारोबार कमजोर रहा। यूनिफॉर्म के लिए सूटिंग की अच्छी मांग रहीं। वैवाहिक साड़ियों और लहंगा-चुनरी आदि में कारोबार कमजोर बना रहा, जबकि कॉटन आयटमों की मांग कुछ बेहतर रही है। लेडीज सूटों में कारोबारा अच्छा रहा। जून के दौरान कुछ मिलों ने बुकिंग और कॉन्फ्रेंस आदि कर ली है, जबकि कुछ मिलें करने जा रही हैं। रीड एंड टेलर ने अपनी कॉन्फ्रेंस में अनेक नई रेंज दी है और अच्छी बुकिंग भी प्राप्त की। मिलों की ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस में लगभग 450 व्यापारियों ने भाग लिया। दिग्जाम की योजना गोवा में 22 जून से कॉन्फ्रेंस करने की है, जबकि विगत दिनों रेमंड की दिल्ली में बुकिंग और कॉन्फ्रेंस करने की है। सियाराम, डोनियर, जे. हैम्पस्टेड, कडिनी आदि की बुकिंग भी अच्छी रहीं। वैवाहिक सीजन में अब एथनिक परिधानों का चलन बढ़ता जा रहा है और सिंथेटिक सूटिंग मिलें भी अब इस चलन को देखते फैब्रिक तैयार कर रही हैं। शेषांश पृष्ठ 10 पर...

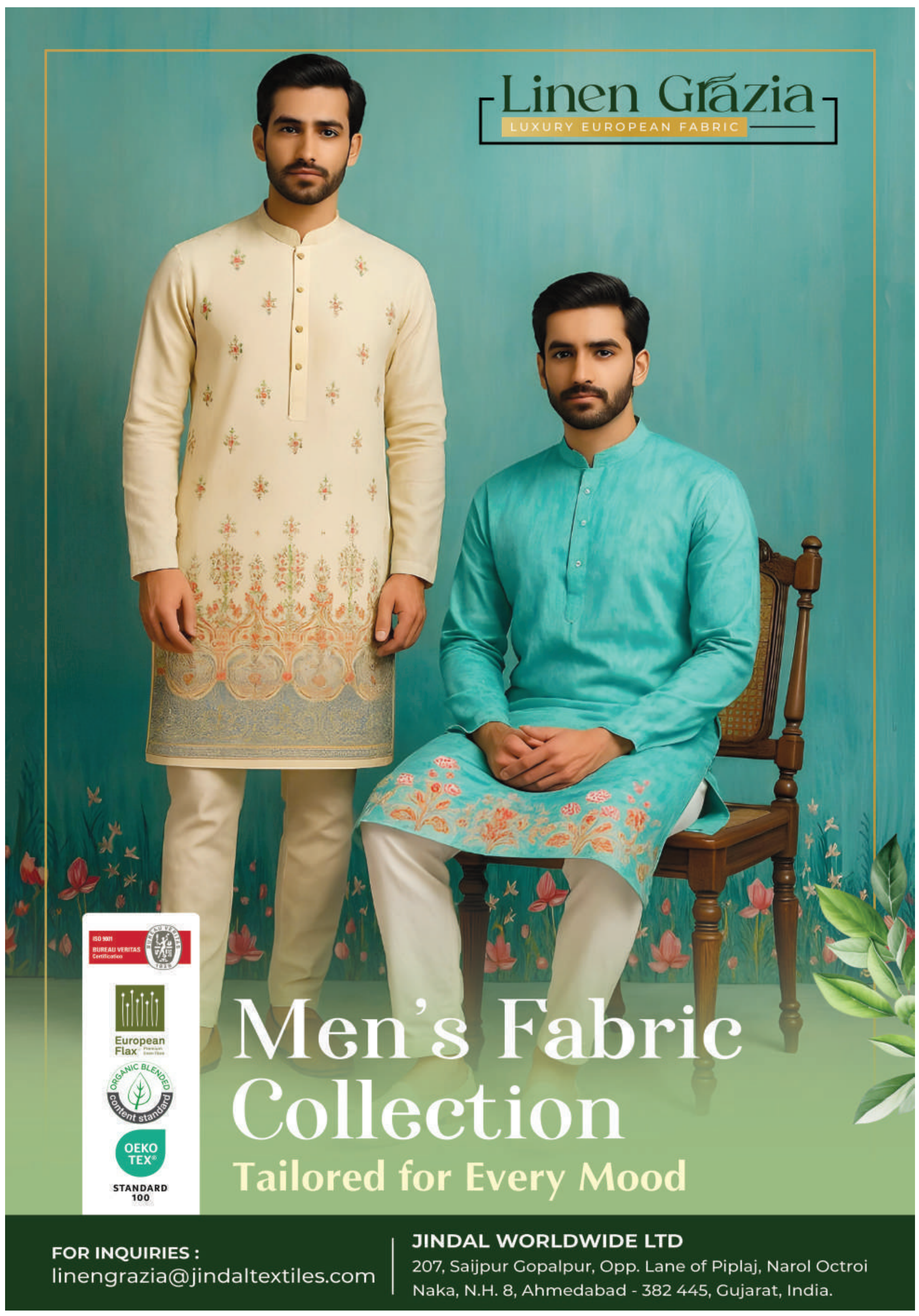

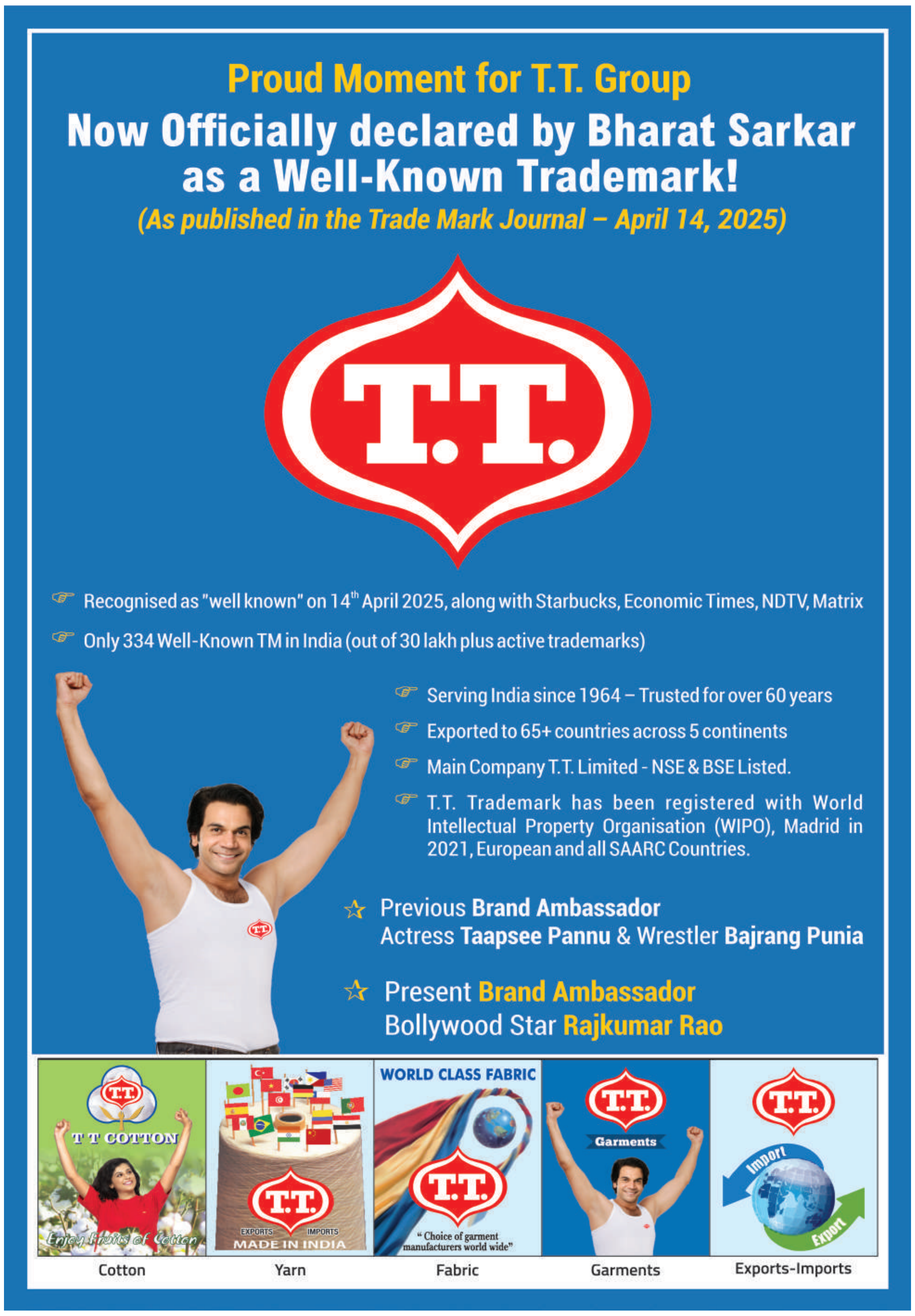

स्कूल यूनिफॉर्म के साथ बरसाती आइटम की मांग

सतना/ बलराम शुक्ला

इस समय बाजार में ज्यादा कामकाज नहीं है। गर्मी भी बहुत पड़ रही है तथा पंद्रह जून से स्कूल भी खुल गये हैं। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल ड्रेस के साथ-साथ लंच बाक्स, जूते, मोजे, टाई, टी-शर्ट, स्कूल बैग, छातों की डिमाण्ड बढ़ गई है। हालांकि स्कूल ड्रेस का खेल प्राइवेट स्कूलों में बहुत ज्यादा है। जिनके लिए हर एक स्कूल की निर्धारित दुकान है, जहाँ सम्पूर्ण वैरायटी आपको उपलब्ध हो जायेगी। इस समय ऐसी-ऐसी डिजाइंस स्कूलों में आ गई है कि वह कहीं मिलती ही नहीं है। कपड़ा व्यापारी अब सिर्फ कपड़े पर ही नहीं, बल्कि दूसरी वैरायटियों पर भी ध्यान देने लगा है। इस समय बरसात का मौसम होने से छाता, तिरपाल, रेनकोट का स्टॉक भरपूर होने से कामकाज हो रहा है। वैसे भी ऑनलाइन शॉपिंग ने व्यापार को चौपट कर दिया है। यह एक गम्भीर समस्या है, जिससे लोगों को स्थानीय दुकानों में काम नहीं मिलेगा तथा बेरोजगारी और अपराध बढेंगे । इस पर सरकार को कुछ विचार करना चाहिए।

रेडीमेड ग्राहकी का क्रेज

कोयंबटूर/ सुनिल जैन

इस बार स्कूल सीजन कुछ खास नहीं रहा तथा मार्केट में आमतौर पर मारामारी देखी गई है। आगे ऐसा लगता है कि व्यापार कुछ बड़े हाथों में चला जाएगा तथा छोटे खुदरा व्यापारी लगभग समाप्ति की ओर है। अगर मार्केट में टिकना है तो आपको मार्केट का बादशाह बनना पड़ेगा। अतः छोटे व्यापारियों के लिए मार्केट में अब कोई जगह नहीं है, बाकी खरीद भी ठीक-ठाक ही रहीं। स्कूल में भी अब रेडीमेड कपड़ा बिकने लग गया है और ग्राहक हर चीज रेडीमेड ही खरीदना चाहता है।

स्कूल ड्रेस व रेडीमेड में ग्राहकी जबरदस्त

ब्यावार/ अनिल डोसी

मार्केट में स्कूल ड्रेस की क्वालिटियां अच्छी चल रही है। स्कूल ड्रेस में चैक्स, लाइनिंग व प्लेन, रेमंड कॉटन, क्क×क्क व्हाइट हाउस 2/76 -56/6 स्पन क्वालिटियां शर्टिंग में एवं सूटिंग में टसर, 2/18 हल्की भारी, तासा क्वालिटियों में माल तैयार हो रहा है। सरकारी स्कूल ड्रेस में एल स्काई व ग्रे डार्क कलर चल रहा है। रेडीमेड का चलन अच्छा रहेगा तथा सूरत की साड़ियों, सलवार सूट, ड्रेस मटीरियल, धोती जोड़ा, सूटिंग-शर्टिंग, रेडीमेड ब्लाउज, लाइक्रा क्वालिटियां बेहतर चल रही है। पाली, बालोतरा, अहमदाबाद एवं मुम्बई से माल रेग्युलर आ रहा है। पेमेंट की आवक ठीक है।

मार्केट में कारोबार सीजन के अनुकूल नहीं

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

मुजफ्फरनगर सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश के प्रमुख कपड़ा मार्केट में गर्मी के सीजन का वस्त्र व्यवसाय जोर नहीं पकड़ रहा है। सीजन में कामकाज लगातार मध्यम स्तर पर बना हुआ है। व्यापारियों द्वारा भरपूर मेहनत करने के बावजूद कुछ चंद काउंटरों पर ही बढ़िया कामकाज है। सूटिंग-शर्टिंग हो या साड़ियां, लेडीज सूट व रेडीमेड गारमेण्ट्स के प्रत्येक सेगमेंट में प्रायः एक-सी स्थिति बनी हुई है। इस वर्ष मुजफ्फरनगर का हैंड वर्क इतनी तरक्की नहीं कर पाया है, जितनी उम्मीद की जा रही थी। आगे नवरात्रा से लेकर वर्षभर सीजन समाप्ति की ओर है तथा मुजफ्फरनगर स्थित वस्त्र व्यवसाय में छोटे से लेकर मध्यम व्यापारियों पर पेमेंट की तंगी लगातार बनी हुई है, जिससे थोक विक्रेताओं को धन की तंगी से लगातार जूझना पड़ रहा है।

हर वर्ष श्रावण माह में पंद्रह दिन पैदल कावड़ यात्रा चलती है उसमें भी कामकाज मध्य ही रहता है। इसी बीच हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के प्रमुख त्योहार है। फिलहाल लग्न-सावा मुहूर्त अक्टूबर तक नहीं है। मुजफ्फरनगर के सुप्रतिष्ठित व्यापारी सर्व श्री विनोद डाबर, सुदर्शन खरबंदा, मनोहर लाल ग्रोवर, गुलाटी जी के पिताजी भंवरलाल जी, घनश्याम पालीवाल, अमित सिंगला, सुशील छाबड़ा, राजीव सिंगला, लक्ष्मण रस्तोगी, पवन बत्रा, इंद्र सुनेजा, सुशील छाबड़ा, अज्जू मदन, अशोक छाबड़ा आदि के अनुसार अभी कुछ समय काम मध्यम स्तर पर ही रहने की संभावना है।

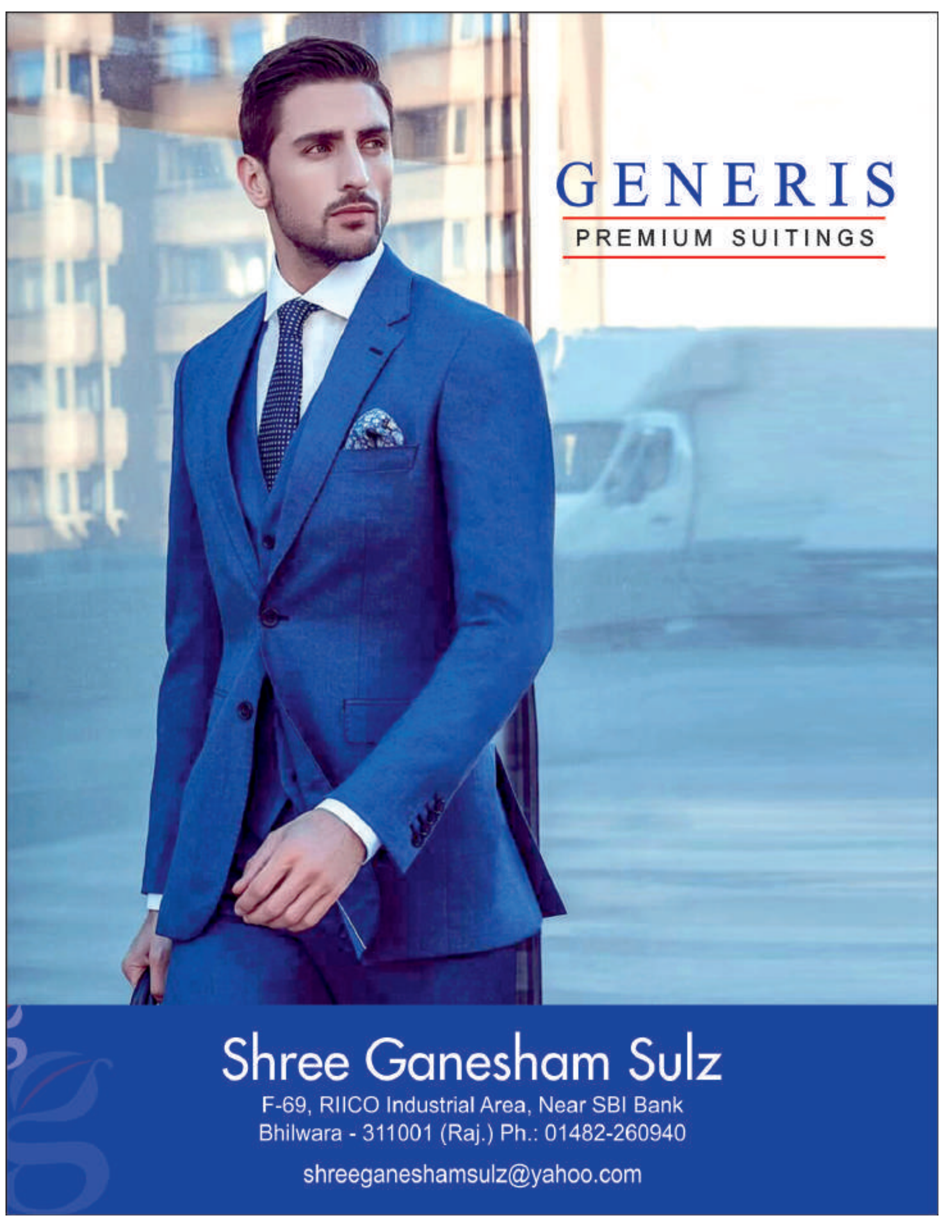

टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क के लिए निजी जगह का विकल्प खुला

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

निजी जगह में टेक्सटाइल पार्क बनाने के लिए राज्य शासन ने अब हरी झंडी दिखाई है। राज्य के वस्त्रोद्योग को बढ़ावा देने के लिए वस्त्रोद्योग नीति के तहत हर महसुली विभाग में टेक्सटाइल पार्क शुरू किया जाएगा, लेकिन इसके लिए औद्योगिक जगह में पार्क शुरू करने की शर्त रखी थी। जिससे राज्य में टेक्सटाइल पार्क शुरू करने के लिए प्रतिसाद नहीं मिल रहा था, लेकिन राज्य शासन ने अब उसके बदलाव कर निजी जगह का पर्याय खुला किया है।

एकात्मिक और शाश्वत वस्त्रोद्योग नीति के तहत हर महसूली विभाग में एक इस तरह के छह टेक्निकल पार्क शुरू करने का फैसला शासन ने लिया था। उसके लिए अर्थसाह्य वितरीत करने के साथ मार्गदर्शक सूचना भी जारी की गई थी। साथ ही औद्योगिक वसाहत में टेक्सटाइल पार्क शुरू करने की शर्त रखी थी तथा इसके तहत ई-प्रक्रिया के तहत निविदा भी मंगवाई थी। इस तरह के डवलप के लिए औद्योगिक वसाहत में पार्क के लिए लगने वाली 25 से 30 एकड़ जमीन नहीं मिल रही थी। साथ ही वहाँ जगह की दर भी ज्यादा होने से प्रक्रिया अधूरी थी। ऐसे में औद्योगिक जगह के साथ निजी जगह में पार्क शुरू करने की अनुमती के लिए महासंघ के साथ उद्यमियों की ओर से कोशिश की जा रही थी। उसके लिए सफलता मिल गई है। राज्य शासन ने नई नीति घोषित की, जिसमें औद्योगिक वसाहत के साथ निजी जगह में भी टेक्सटाइल पार्क शुरू किया जा सकता है।

पायाभूत सुविधा का विकास– नये आदेश में टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क निजी जगह में शुरू करना है, तो वहाँ की जाने वाली पायाभूत सुविधाओं का विकास निवेशधारक को करना है। इस फैसले के चलते इचलकरंजी के साथ राज्य के वस्त्रोद्योग केंद्र की जगह पर पार्क शुरू करने के लिए अब तेजी आने के साथ अब रोजगार भी बढ़ेगा।

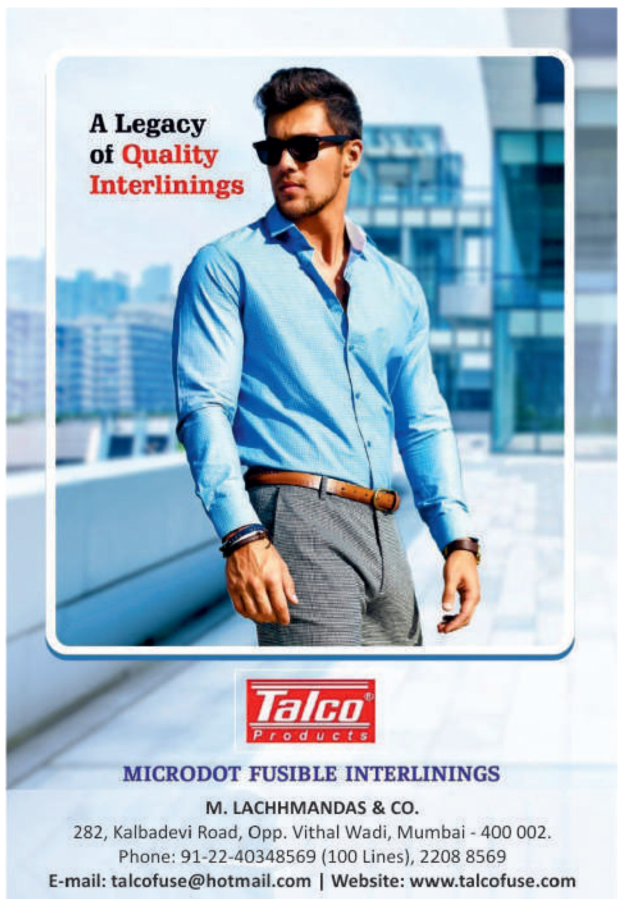

modella
Since 1965
We Weave Warmth
FIND YOUR
SIGNATURE LOOK
FINEST TWEED FABRICS
FOR TRADE ENQUIRY : Contact : 82640-40737 | Website : www.modella.in | Email: modellaamritsar@gmail.com

@TESSITURAMONTI.INDIA
100 % Giza Cotton
Luxury Shirting Fabric
LINEA LUSSO
ITALY
By
TESSITURA
MONTI
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
Mill:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027 INDIA. Tel. No : +91 80 40500288 Email : office@monti.co.in
www.monti.co.in
Tessitura Monti India Pvt.Ltd.
BORN IN ITALY 1911
BCI

sevendays
SHIRTINGS
SEVENDAYS FASHION TRENDS PVT. LTD.
Royal Avenue, 304,305,306, 3rd Flr., Opp. Church, Dr. Viegas Street, Kalbadevi, Mumbai - 400002.
022-49792750
99209 07977
sfpl1983@gmail.com

Finest Luxury
Shirting Fabrics
VILLA ITALIA
FINEST GIZA COTTON SHIRTING FABRICS
FOR TRADE INQUIRES
AGENTS/DEALERS/ DISTRIBUTORS
CALL: MR. YOGESH JAIN- 9632110000
E-mail: mail@jsfashions.co.in
BRAND OWNED BY
J.S. FASHIONS (INTL) PVT. LTD.
IMPORTERS & EXPORTERS
BANGALORE (KARNATAKA)

MiSTAiR
THE FINEST IN FASHION
A Siyaram's Initiative
Sophistication
Personified
SCAN THE QR CODE
TO VIEW THE VIDEO
Available at all the leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

PICASSO
by BAIRD Cotton
Picasso presents fine digital prints in
SUPER LUXURY COTTON
www.listeningpostdesign.com
For Agent/Dealer enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747
Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com | AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS
Follow us on /@bairdcottonofficial | /@bairdcotton_official | www.bairdcotton.com
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE IRELAND
ESTD. 1912

Say it with colour
BURGOYNE
THE ORIGINAL LINEN
ESTD. 1912
From the makers of world's finest Irish Linen, a collection of premium fabric and apparel
Shop online at: www.burgoynestore.com
www.listeningpostdesign.com
For Retail Franchise store enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747
Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com | AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS
Follow us on /@Burgoyneindia | /@Burgoyneindiaofficial | www.burgoyne.co
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE IRELAND
ESTD. 1912

Celebrating **10 Years** of Textile Excellence!

A Decade of ideas, A future of innovations!

Debashis H Poddar
Founder & CEO

"Thank you for being part of our journey. Here's to a future stitched with success, innovations, and endless possibilities!"

FFIRST IDEA Advisors has proudly completed 10 remarkable years of empowering the Indian textile industry.

Over the past decade, we have:

- ✓ Partnered with 25 leading textile companies / brands
- ✓ Delivered 55 successful consulting projects
- ✓ Innovated sustainable and growth-driven solutions
- ✓ Helped shape new market leaders in India and beyond

With your trust and our expertise, we have woven dreams into reality.

And this is just the beginning.

STRATEGY | INVESTMENT | SALES | AGENCY | RETAIL | BRANDING | M & A | DIVESTMENT | OPERATIONS | COACHING | MENTORING

Debashis H Poddar
Founder & CEO : FFIRST IDEA Advisors LLP., Mumbai
Ex-Ind. Director : GBTL Ltd., Bhiwani
Ex-President Director : PT Five Star, Indonesia
Ex CEO Textile : Bombay Dyeing, Mumbai
Ex-CEO (Export, RMG & Garment) : Donear Industries Ltd, Mumbai

FFIRST IDEA® ADVISORS
Innovate • Implement • Deliver

Whatsapp.: +91 9820700090 | E-mail: admin@ffirstidea.com | Website: www.ffirstidea.com

कपड़ा कारोबारियों के भव्य उत्प्रेरक संभाषण को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

मुम्बई/ आर बी सिंह

महानगर के कालबादेवी स्थित भारत मर्चेंट्स चेंबर के जुगीलाल पोद्दार सभागार में 14 जून को मैनेजमेंट गुरु डॉ. पवन अग्रवाल (डब्बावाला फेम) ने अपने मोटिवेशनल स्पीच में डिब्बा वालों के कई प्रेरक किस्से सुनाएं और उनकी सेवा, सहकार्य और समय की प्रतिबद्धता को व्यापारियों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत मर्चेंट्स चेंबर के अध्यक्ष श्री नरेंद्र पोद्दार ने भगवान विठ्ठल रूक्मणी की प्रतिमा भेंट देकर डॉ. पवन अग्रवाल को सम्मानित किया, जिसका वाइस प्रेसिडेंट मनोज जी जालान ने उनका हार्दिक अभिनंदन किया।

इस कार्यक्रम में अन्य संस्थाओं के अध्यक्षगण एवं विशेष अतिथि के के सिंगला की भी गरिमामय उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का संचालन श्री नवीन कुमार बगड़िया ने किया। तत्पश्चात समारोह में डॉ. पवन अग्रवाल ने मुम्बई के डिब्बे वालों की प्रतीकात्मक साइकिल और छोटा डिब्बा अध्यक्ष श्री नरेंद्र पोद्दार को प्रदान किया, जो व्यापार जगत के लिए वाकई अद्भुत मोटिवेशनल था, जिसका कपड़ा व्यापारीजनों की तरफ से भरपूर प्रतिसाद मिला।

कपास उत्पादन खर्च बढ़ने और प्रति हेक्टेयर उत्पादकता घटने से पैटर्न बदला

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

रूई बाजार का समीकरण बदल गया है और मांग निरंतर घट गई है। देश से रूई का निर्यात कम होने और आयात बढ़ने का अनुमान है। भारत की रूई हाल ही इंटरनेशनल मार्केट की तुलना में करीब 3000 रू तक महंगी है। केंद्र सरकार ने कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। इस कदम से किसानों में जरूर खुशी की लहर है और देश में पहले कपास की बुवाई का क्षेत्रफल कम होने की संभावना लग रही थी उसमें सुधार हो सकता है, लेकिन जिनिंग मिलें और टेक्सटाइल वैल्यू चेन के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकता है। जो जिनिंग इकाइयां कॉटन कॉर्पोरेशन के साथ संलग्न होगी, उनमें ही कामकाज अच्छा होने की संभावना है।

बाजार के अधिकतर लोगों का कहना है कि आगे की सीजन में इस कदम से देश में रूई के भाव ऊँचे होंगे। इस कारण जब तक वैश्विक बाजारों में रूई में तेजी नहीं आती है, तब तक भारत से रूई का निर्यात घटेगा और आयात बढ़ेगा। अतः देश में रूई की खपत कम हो रही है और कॉटन यार्न का मजबूत गढ़ दक्षिण भारत की मिलों में रूई की मांग घट रहीं है। इन मिलों में कॉटन यार्न के बदले विस्कोस एवं पॉलिएस्टर जैसे मैनमेड फाइबर का उपयोग बढ़ गया है। कपास का उत्पादन खर्च बढ़ने और प्रति हेक्टेयर उत्पादकता घटने के कारण कपास की बुवाई का पैटर्न बदल गया है। किसान कपास की बुवाई कम कर मूंगफली और मक्का की खेती करने लगे हैं। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार सितम्बर में समाप्त चालू सीजन से देश में रूई की खपत घटकर 307 लाख गांठ रहने का अनुमान है। इसमें पिछले वर्ष के 313 लाख गांठ की तुलना में दो प्रतिशत अर्थात् आठ लाख गांठ की गिरावट आई है। इसका प्रमुख कारण मिलें रूई से अधिक मानव सर्जित रेशा पसंद कर रहीं है। वर्ष 2024-25 की सीजन में रूई का आयात 33 लाख गांठ होने का अनुमान है, जबकि पिछली सीजन में 17.80 लाख गांठ था। इसी तरह निर्यात पिछले वर्ष के 28.36 लाख गांठ से घटकर 15 लाख गांठ रहने का अनुमान है। **शेषांश पृष्ठ 10 पर...**

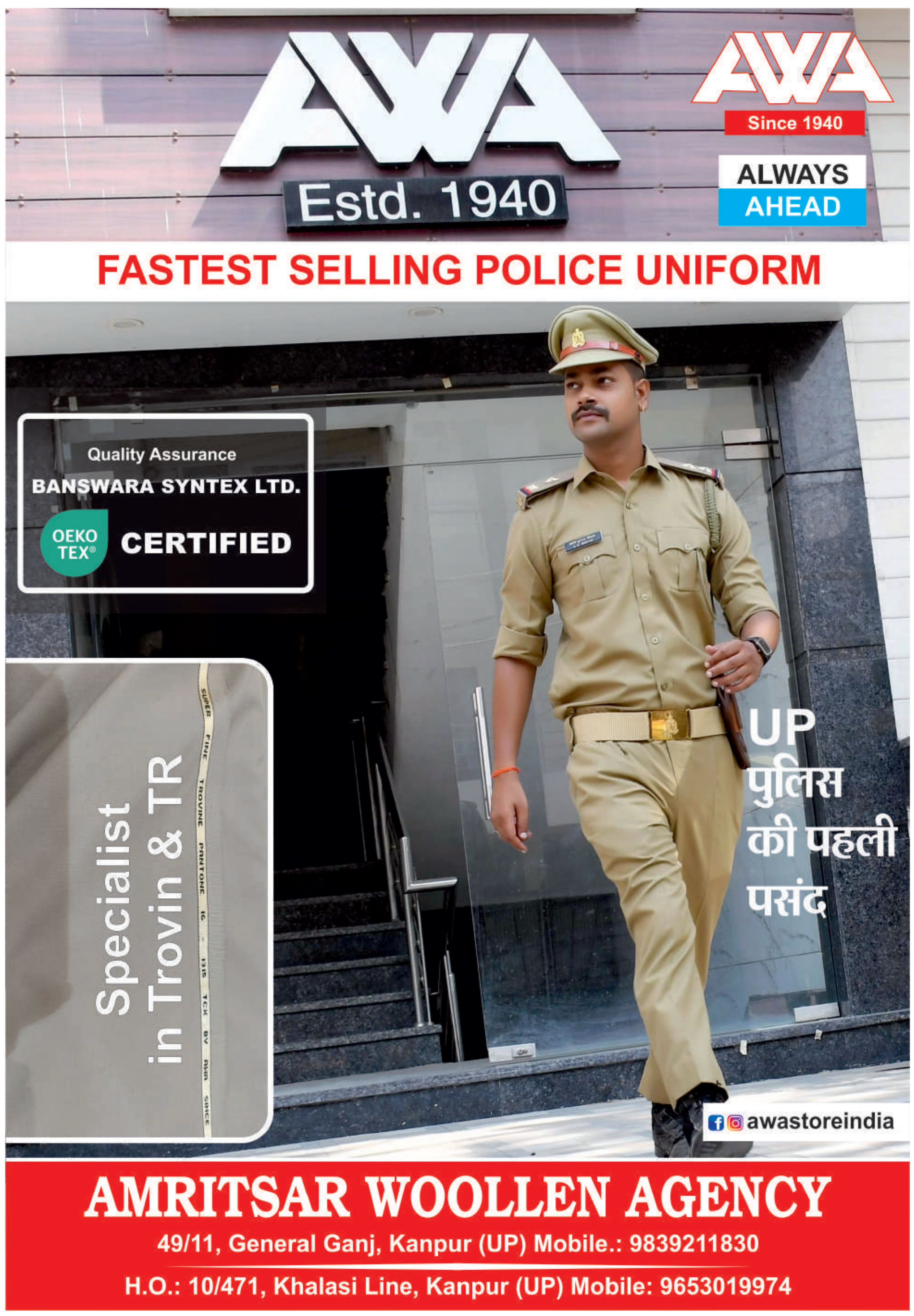

मार्केट में तैयार माल की बहुलता से कारोबार मंद

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

उद्यमियों के पास तैयार माल की बहुलता के उपरांत भी ग्राहकी अदृश्य-सी प्रतीत हो रही है। बाजार में तीव्र गर्मी के कारण ग्राहकी के अभाव में मायूसी परिलक्षित होने लगी है, इससे माल की चालानी 25-30 प्रतिशत ऊपर उठती नजर नहीं आ रही है। अनुभवी उद्यमियों के अनुसार ग्राहकी के हालात जून-जुलाई तक सुधरने की संभावना नही है, परंतु 15 अगस्त के बाद अच्छी ग्राहकी के उभरने की आशा लगती है। फिलहाल जो भी ग्राहकी है, वह चन्द प्रतिष्ठानों तक ही सीमित है, जबकि अधिकांश प्रतिष्ठान नया माल बनाने में उत्सुकता नहीं रखते। पोपलीन की कुछ वैरायटियों में छुटपुट ग्राहकी है तथा नाइटी क्लॉथ में रजवाड़ी की चालानी संतोषप्रद बताई जा रही है। पेंट व पेटीकोट, रूबिया के साथ पॉकेटिंग क्लॉथ की मांग में सुधार हुआ है। पेमेंट की आवक कम होने से भुगतान संकट की समस्या विकट है।

देसावरी मण्डियों में विरानी छाने से ग्राहकी न होने की स्थिति है। श्रमिकों की कमी से औद्योगिक प्रक्रियाओं में विलंब होना स्वाभाविक है। छोटे उद्यमियों को माल लाने-ले जाने से लेकर फोल्डिंग, पैकिंग आदि के लिए श्रमिक भी नहीं मिलते तथा स्थानीय मजदूरी दर अन्य औद्योगिक स्थलों के मुकाबले सर्वाधिक है। बाजार की स्थिति यहीं रही तो केवल मात्र बड़े उद्यमी ही कारोबार कर सकेंगे। उनके यहाँ सभी कार्य एक ही स्थान पर संपन्न होने से उनकी लागत कोस्ट कम आती है। वहीं छोटे उत्पादकों को हर प्रक्रिया पूरी करने हेतु अलग-अलग स्थानों पर भेजना होता है, जिसकी लागत बढ़ने की संभावना रहती है। उद्यमी जब से गुणवत्ता के प्रति जागरूक हुए हैं, तब से यहाँ के उत्पादों की साख के साथ क्रेज भी बढ़ा है। आधुनिकता के परिपेक्ष्य में उत्पादक सुंदर से सुंदर पैकिंग देने की ओर आकृष्ट हुए है।

योजनाओं पर अमल - ऐसी जानकारी मिली है कि कारखानों से निकलने वाले प्रदूषित जल को कच्छ की खाड़ी तक ले जाने की योजना पर अमल किया जा रहा है। इस पर पूर्व में भी उद्यमियों व जनप्रतिनिधियों ने भी प्रयास किए थे। यदि यह योजना साकार हो जाती है, तो पाली, बालोतरा, जोधपुर, जसोल के लिए यह वरदान सिद्ध होगी और उत्पादक पूर्ण क्षमता का उपयोग कर उत्पादन कर सकेंगे। इस समस्या के निदान से औद्योगिकीकरण को आधार मिलेगा। महेशनवमी का उत्सव बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। औद्योगिक क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के लिए भी कई योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है, इससे यदि सफाई व सड़कों पर ध्यान दिया गया तो नया स्वरूप निखरे बिना नहीं रहेगा।

AWA
Since 1940

यूपी पुलिस खाकी वर्दी में मिल रहे ऑर्डर

अमृतसर वूलन एजेंसी

कानपुर/ स्थानीय वस्त्र मण्डी की जानी मानी होलसेल एवं रिटेल सेक्टर की प्रतिष्ठित फर्म 'अमृतसर वूलन एजेंसी' के ऑनर श्री संजय अरोड़ा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस सत्र् में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जिन्हें देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह के हाथों 60244 कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र सोंपे गए। इस दौरान सूबे के मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ योगी भी मौजूद थे।

इस संदर्भ में अमृतसर वूलन एजेंसी के ऑनर श्री संजय अरोड़ा ने बताया कि इस भर्ती से राज्य में पुलिस वर्दी में काफी ऑर्डर मिलने की संभावना है। इस दौरान हमारी फर्म द्वारा भी प्रमुख ब्राण्ड (AWA) के अंतर्गत बड़ी तादाद में सप्लाई के लिए बेहतर स्टॉक मेंटेन किए हुए है और प्लानिंग भी की गई है। इन्होंने बताया कि हमारा ब्राण्ड सदैव उच्च क्वालिटी में ही निर्मित होता है, जिससे बेहतरीन ऑर्डर मिल रहे हैं।

अमृतसर वूलन एजेंसी - एक परिचय

वर्ष 1940 से कार्यरत भारत के उत्तरप्रदेश में स्थापित 'अमृतसर वूलन एजेंसी' अरविंद शर्टिंग फैब्रिक, रिलीफ ब्लैंकेट, वूलन सूटिंग फैब्रिक और ऐसे कई उत्पादों के थोक विक्रेता, वितरक और खुदरा विक्रेता के रूप में कार्यरत हैं। एजेंसी ऑनर श्री संजय अरोड़ा के सक्षम नेतृत्व में कपड़ा उद्योग में एक विश्सनीय नाम बन गया हैं। बेहतर उत्पाद और असाधारण ग्राहक सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता हमारी सफलता में महत्त्वपूर्ण रहीं है।

हमारा बुनियादी ढांचा -

विस्तृत उत्पाद - हम अरविंद शर्टिंग फैब्रिक, रिलीफ कंबल और ऊनी सूटिंग फैब्रिक सहित उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ों और कंबल की विस्तृत रेंज को एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाते हैं।

सर्वोत्तम गुणवत्ता- हम केवल सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी सामग्रियों को विश्वसनीय निर्माताओं से प्राप्त करते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को लागू करते हुए उच्च मानकों को पूरा करते हैं।

मूल्य निर्धारण - हम अपने सभी उत्पादों पर प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण प्रदान करते हुए यह सुनिश्चित करते है कि आपको, अपने पैसे का सर्वोत्तम मूल्य मिले, जिससे हम कुशल संचालन और मजबूत आपूर्तिकर्ता संबंध अपने ग्राहकों को लागत बचत देने में सक्षम बनाते हैं।

इचलकरंजी कपड़ा उद्योग स्थिर

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े... इचलकरंजी के दि मैनचेस्टर ट्रक मोटार मालिक संघ ने अलग-अलग मांगों के लिए पाली, बालोतरा और जोधपुर के लिए यहाँ से कपड़ा गाठी का ट्रांसपोर्ट नहीं करने का फैसला किया है। सोमवार से चल रहे इस आंदोलन में एक भी ट्रक कपड़े की गाठी लेकर दूसरे राज्य में गया नहीं, जिससे वस्त्रोद्योग में करोड़ों का कारोबार ठप्प हुआ है। ट्रक मालिक ट्रांसपोर्ट के किराए में बढ़ोतरी करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसके बारे में कोई भी फैसला नहीं हुआ है। जिसके चलते ट्रक मालिकों ने पाली, बालोतरा के लिए ट्रांसपोर्ट रोकने का फैसला लिया है। इचलकरंजी के मैनचेस्टर ट्रक मोटार मालिक संगठन की ओर से इससे पहले गुडस ट्रांसपोर्ट वेयर हाउस एंड लॉरी एसोसिएशन इचलकरंजी में बार-बार ज्ञापन सौंपकर किराए में बढ़ोतरी की मांग की है, लेकिन मांग की ओर अनदेखी होने से संप करना पड़ रहा है। इस बीच इचलकरंजी से हर दिन बड़े पैमाने पर कपड़ों की गाठ लगभग 110 ट्रक इस मार्ग पर ट्रांसपोर्ट करते हैं। जिसमें करीबन 16 ट्रांसपोर्ट कम्पनियां शामिल है। ऐसे में बंद के चलते लगभग दस हजार गाठी की ट्रांसपोर्ट रूकी हुई है। इस बंद में कोल्हापुर जिला मोटार मालिक संगठन और चालक मालिक टेंपो संगठन भी शामिल हुई है। इस बंद का असर ट्रक मालिक ही नहीं, बल्कि शहर की पूरी अर्थव्यवस्था पर हो रहा है।

एक नजर - कपड़ा गाठी की ट्रांसपोर्ट करने के लिए इचलकरंजी के लगभग 500 से 700 टेम्पों का इस्तेमाल होता है। इस बंद के चलते सभी टेम्पों चालकों का नुकसान हो रहा है। इचलकरंजी से हर दिन 20 से 25 ट्रक पाली, बालोतरा और जयपुर के लिए कपड़े की गाठी लेकर चलते हैं, जबकि बालोतरा के व्यापारियों ने किराए में बढ़ोतरी देने की बात कहीं है, लेकिन जोधपुर और पाली वालों ने कोई फैसला नहीं लिया है।संजय अवलकी, अध्यक्ष, दि मैनचेस्टर ट्रक मोटार मालिक संघ

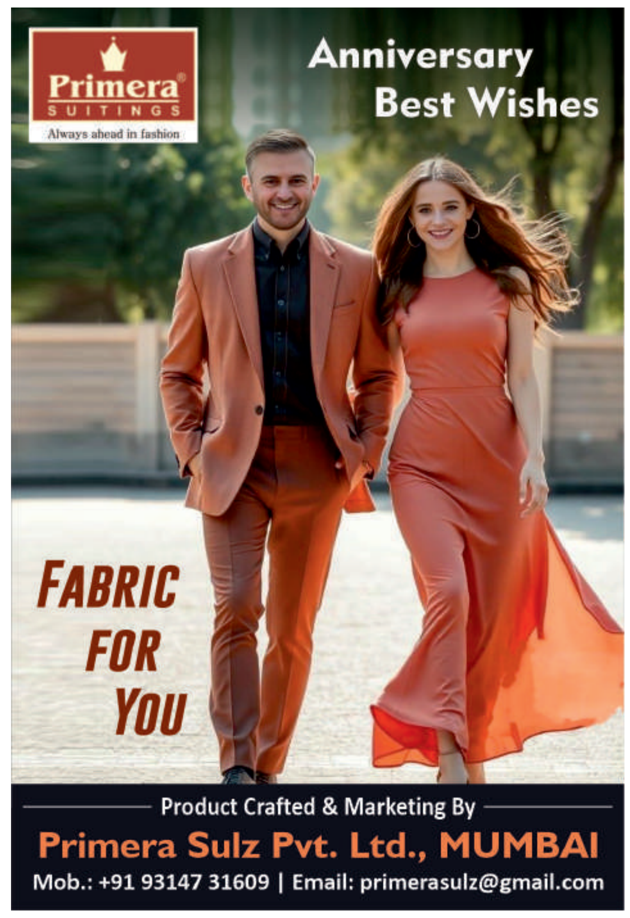

कुछ नया, कुछ अलग •

वर्षा ऋतु और महाकवि कालिदास का मेघदूतम्

श्री हरेश मेहता
प्रेसिडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

नमस्ते मित्रों,
हमारे देश में वर्षा ऋतु का प्रारंभ हो चुका है। आषाढ़ का महीना शुरू होते ही आकाश में काले-काले बादल मंडराने लगते हैं और धरती पर बूँदों की रूनझुन से जैसे जीवन लौट आता है। पृथ्वी मानो हरे रंग की चादर ओढ़ लेती है। आषाढ़ को वर्षा के प्रवेश का सिंह द्वार कहा जाता है। बिजली की चमक और बादलों की गड़गड़ाहट के बीच जब बारिश की पहली फुहारें धरती को छूती हैं, तो जैसे तपते हुए तन और मन को ठंडक मिलती है।

वर्षा ऋतु प्रकृति का एक ऐसा उत्सव जो धरती, मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पतियों में नया जीवन भर देता है। जब पहली बारिश धरती पर गिरती है, तो उसकी सौंधी महक मन को छू जाती है। बंजर भूमि में हरियाली उग आती है। सूखी पड़ी नदियाँ पुनः कलकल बहने लगती हैं। झरने फूट पड़ते हैं और आकाश में बिजली की चमक के साथ वर्षा की बूंदें मानो धरती का श्रृंगार करती हैं।

दोस्तों, वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही महाकवि कालिदास की अप्रतिम कृति 'मेघदूतम्' हमारे मन में गूंजने लगती है। यह महाकाव्य विरह और वेदना से भरा हुआ है। इसमें एक यक्ष की कथा है, जिसे कुबेर अलकापुरी से निष्कासित कर देता है। अपने नगर से निष्कासित हुआ यक्ष रामगिरि पर्वत पर निवास करता है, लेकिन वर्षा ऋतु आते ही उसे अपनी प्रियतमा की तीव्र याद सताने लगती है। जब उसके पास अपनी प्रियतमा के पास संदेश पहुँचाने के लिए कोई साधन नहीं होता, तब वह पानी से भरे एक मेघ को अपना दूत बनाता है। वह जानता है कि यह बादल ही, उसके प्रेम और पीड़ा से भरा संदेश मिलों दूर अलकापुरी नगरी में बैठी उसकी प्रियतमा तक पहुँचा सकते हैं।

महाकवि कालिदास 'मेघदूतम' की दूसरी पंक्ति में लिखते हैं, 'आषाढस्य प्रथम दिवसे मेघमाश्लिष्टसानुं', अर्थात् अपनी प्रियतमा के विरह में व्याकुल यक्ष कहता है कि आज आषाढ़ मास का पहला दिन है और उसकी दृष्टि सामने पर्वत की चोटी पर टिक गई है, जहाँ एक विशाल मेघ मानो पर्वत को आलिंगन कर रहा हो। यक्ष का हृदय उस बादल को देखकर भावुक हो उठता है। उसके लिए यह मेघ केवल जल का पुंज नहीं, बल्कि आकाश और पृथ्वी के बीच एक जीवंत सेतु है, एक ऐसा माध्यम जिसे वह अपने अंतर्मन की पीड़ा और प्रेम को प्रकट कर सकता है। यक्ष की व्याकुल आत्मा अब इस मेघ को अपना दूत बनाना चाहती है। यक्ष उस बादल को अपनी प्रियतमा तक संदेश पहुँचाने के लिए आग्रह करते हुए उसे अलकापुरी तक पहुँचने का मार्ग विस्तार से समझाता है। वह केवल दिशा ही नहीं बताता, बल्कि उन रास्तों का सजीव चित्रण करता है, जहाँ से होकर मेघ को गुजरना है।

यक्ष अलकापुरी की ओर जाने वाले मार्ग में आने वाले पर्वतों, पहाड़ों, नदियों, घाटियों, मैदानों और भौगोलिक सीमाओं का वर्णन ऐसे करता है, मानो वह एक प्रेम-पथ हो, जिस पर उसकी प्रियतमा की कोई छवि या स्मृतियाँ अंकित हैं। यक्ष मेघ से कहता है कि मार्ग में सबसे पहले आएगा हिमालय, जिसकी ऊँचाई आकाश को छूती है। इसके बाद वह मेघ को कलकल करती नदियों का मार्ग बताता है, जो धरती में बहती हैं और धरती को जीवन देती हैं। यक्ष बताता है कि इन सभी प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों से गुजरते हुए उसे विन्ध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं, मालव प्रदेश के समृद्ध नगरों और पुष्कर, उज्जयिनी जैसे पवित्र स्थलों से होते हुए आगे बढ़ना होगा। यक्ष मार्ग बताते हुए यह भी कहता है कि रामगिरि पर्वत पर कुछ समय रूकने के बाद ऊँचे शिखरों वाले अमरकंटक के पर्वत पर थोड़ी देर ठहरकर विश्राम करना और फिर अलकापुरी पहुँचना। 'मेघदूतम्' की लोकप्रियता भारतीय साहित्य में प्राचीन काल से ही रही है। मल्लिनाथ, चारूदत्त, नीलकंठ, वल्लभदेव जैसे अनेक प्रसिद्ध टीकाकारों ने इस पर विस्तारपूर्वक टीकाएँ लिखी हैं, वहीं अनेक संस्कृत कवियों ने इससे प्रेरित होकर अथवा इसको आधार बनाकर कई दूतकाव्यों की रचना की हैं। आज लगभग 1500 वर्षों के बाद भी 'मेघदूतम्' को भारतीय साहित्य की सर्वश्रेष्ठ कृतियों में गिना जाता है। अधिकांश विचारकों का मानना है कि कालिदास ने अपने जीवन की किसी विरह-व्यथा को मेघदूत के माध्यम से संदेश रूप में व्यक्त किया है और यही कारण है कि यह महाकाव्य इतना लोकप्रिय और अमर कृति बन सका है।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

कपड़ा और गारमेण्ट उद्योग पर वैश्विक मंदी का असर

त्योहारी सीजन शुरू होते ही बाजार में हलचल

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय...समर सीजन की ग्राहकी पूरी होने और मानसून के आने के बाद कपड़ों में कारोबार घट गया है। बारिश शुरू होने के बाद लगभग दो महीने तक कपड़ा बाजार में कारोबार इसी तरह से मंदा ही रहता है। ऐसा भी नहीं है कि कपड़ों में कारोबार इस दौरान पूरी तरह से बंद हो जाता है। कारोबारी गतिविधियां जारी रहती है, लेकिन बारिश के कारण कपड़ों की गठानें भींगने का भय अधिक होने से देसावरी मण्डियों के माल के हेरफेर पर फर्क पड़ जाता है। सीजन का जो कपड़ा नहीं बिका है, अब ऐसी वैरायटी में सभी जगहों पर बिकवाली का भारी दबावरहना स्वाभाविक है, परंतु अभी टेक्सटाइल की पूरी चैनल में ग्राहकी नहीं है। बाजारों में अच्छी बिक्री का एक सर्कल देखा गया है। कपड़ों में कारोबार त्योहारों की शुरूआत से होती है। दीपावली से कुछ समय पहले ही कपड़ा बाजारों में कारोबारी रौनक बढ़नी शुरू हो जाती है। उक्त समय सभी बाजारों में लगभग एक जैसा कामकाज होता है। यह सिलसिला मई अंत तक पूरजोर चलता है। यदि वैवाहिक सीजन अच्छी रहीं, तो जून माह में भी कपड़ों में कारोबार अच्छा होता है, परंतु जैसे ही गर्मी शुरू होने लगती है, वैसे ही ग्राहकी धीमी पड़ने लगती है। मानसून शुरू होने पर कपड़ा बाजार में फिर से मंदी की आहट महसूस होने लगती है। यहीं कारण है कि अभी कपड़ों के हर खंड में ग्राहकी का अभाव है, लेकिन इस बार कपड़ों पर जियो पॉलिटिकल का भी गहरा असर देखा गया है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लंबे समय से चल रहा है तथा अमेरिका एवं चीन के बीच ट्रेड वॉर चला, जो अब समाधान की ओर बढ़ा है। ट्रम्प के आनन-फानन फरमानों के कारण वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मच गया और निवेशकों को इसकी कीमत चुकानी पड़ी थी। इस बीच भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। अब इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू हो गया है। कई मायने में यह खतरनाक माना जा रहा है। इसका सबसे गंभीर असर क्रूड तेल पर पड़ने की संभावना है। ऐसे कारण रहे है, जो कारोबार के अनुकूल नहीं रहे हैं। फिर कपडो में कारोबार अछूता कैसे रह सकता है। बावजूद इसके भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर अच्छी तरह से दौड़ लगा रही है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से कपड़ा और गारमेण्ट चौपट होने के कगार पर है। भारत ने सड़क मार्ग से हो रहे आयात पर रोक लगाकर रही सही कसर पूरी कर दी है, परंतु इसका भरपूर लाभ देश के कपड़ा उद्योग को नहीं मिल सका है। वैश्विक स्तर पर मंदी होने के कारण कपड़ा और गारमेण्ट की मांग पर असर दिखाई दिया है। घरेलु स्तर पर कपड़ों की मांग कम रहने के कारण किसी भी उत्पादन केंद्र पर अभी तक कपड़ों का उत्पादन नहीं बढ़ सका है।

इस समय कपड़ा बाजार का रूख नरम है। प्रोसेस हाउसों में कामकाज कम हो गया है, परंतु जहाँ निर्यात वाले कपड़ों में कामकाज अधिक है, ऐसे प्रोसेस हाउसों में कामकाज हो रहा है। नेशनल गारमेण्ट फेयर का असर कपड़ों पर होता है। कपड़ा उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू होते ही फिर से कपड़ों में तेजी का करेंट आएगा। अगस्त में त्योहारों की भरमार है तथा नवम्बर माह में फिर से वैवाहिक सीजन शुरू होती है। इस तरह से देखा जाए तो कपड़ा बाजार में कुछ समय के लिए कारोबार कम है। अनुमान है कि जुलाई मध्य से इस बार कपड़ा बाजार में ग्राहकी की चहल-पहल शुरू हो सकती है। टेक्सटाइल चेन - कपड़ा उद्योग की पूरी चैनल में कामकाज घट गया है। वीविंग इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन कम होकर नीचले स्तर पर पहुँच गया है। कॉटन यार्न और सूती ग्रे के भाव स्थिर है। कपड़ों का उठाव अच्छा नहीं है। इस कारण भिवंडी में पावरलूम इकाइयां लगभग 30 से 35 प्रतिशत की क्षमता पर काम कर रहीं है। सूरत में सबसे अधिक मैनमेड फैब्रिक का उत्पादन किया जाता है। कारीगरों की कमी होने के कारण कामकाज कम हो गया है, परंतु मांग में तेजी नही होने से कम उत्पादन से भी कोई परेशानी नही है। साउथ की ओर ग्रे कपड़ों की मांग अच्छी है, कॉटन यार्न में स्थिरता है, तथापि उत्पादन में उस स्तर का जोर नहीं है।

कपड़ा उत्पादन सेंटर- संगठित क्षेत्र हो अथवा असंगठित क्षेत्र, प्रोसेस एवं डाइंग हाउस और जॉब इकाइयां हो अथवा प्रमुख कपड़ा बाजारों के थोक एवं रिटेल कारोबारी, जहाँ फिनिश कपड़ों में एक जैसी स्थिति है। कपड़ों में तेजी और पूरजोर कामकाज के लिए आगामी त्योहारी सीजन की ओर सभी की निगाहें है। आमतौर पर मंदी में सर्वत्र आगामी सीजन की तैयारियों पर प्राथमिकता दी जाती है तथा पाइपलाइन खाली होने से जैसे ही त्योहारों की सीजन नजदीक आएगी, वैसे ही देसावरों के साथ दूरदराज सेंटर्स पर कपड़ों की मांग निकलनी शुरू होगी, तब बाजार का रूख बड़ी तेजी से बदल जाएगा।

GCCI एवं MCMM अहमदाबाद के शिविर में 156 यूनिट रक्तदान हुआ

अहमदाबाद/ विगत दिनों गुजरात चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (GCCI) एवं मस्कटी क्लॉथ मार्केट महाजन (MCMM) द्वारा न्यू क्लॉथ मार्केट स्थित महाजन हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में न्यू क्लॉथ मार्केट, राजस्थान हॉस्पिटल, तेरापंथ युवक परिषद् एवं जैन मारवाड़ संघ संगठन के सहयोग से मेगा रक्तदान अभियान भारतीय रेड क्रॉस के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें 156 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

इस रक्तदान शिविर में विभिन्न मार्केट से व्यापारी बंधुओं, कर्मचारियों एवं कामकाजी बंधुओं ने रक्तदान किया। यह रक्तदान शिविर महाजन के ब्राण्ड 'फैबेक्सा' द्वारा प्रायोजित था। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी एवं अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए बच्चों व अन्य भाई-बहनों को मस्कती महाजन हॉल में भावभीनी श्रद्धाञ्जलि दी गई।

टेक्सटाइल व गारमेण्ट निर्यात 100 बिलियन डॉलर पहुँचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा... विश्व बाजार के निर्यात में आ रही समस्याओं को दूर करके टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात को वर्ष 2030-31 तक बढ़ाकर 100 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के लिए सरकार ने एक टास्क फोर्स का गठन किया और इसकी पहली बैठक गत दिनों सम्पन्न हुई। उद्योगों ने सरकार द्वारा टास्क फोर्स के गठन का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की है कि इस टास्क फोर्स के गठन के बाद भविष्य में किए जाने वाले मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाया जा सकेगा। विगत दिनों नव-गठित टास्क फोर्स की पहली बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता वाणिज्य सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने की। इस बैठक में पूरी टेक्सटाइल वैल्यू श्रृंखला से सम्बंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें गारमेण्ट निर्माता यूनिट्स में ईएसजी आधारभूत ढांचे का अपग्रेडेशन, रिन्युएबल एनर्जी का प्रयोग, यूरोपीय यूनियन डी-फोरेस्टेशन रेग्युलेशन एवं निर्यात बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स को मजबूत व सरल बनाना तथा मजूदरी लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि आदि पर विचार किया गया। इसके अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी योजना, सर्टिफिकेशन और टेस्टिंग में सहायता, एमएसएमई निर्यातकों को निर्यात क्रेडिट में सहायता, ड्यूटी ड्रॉ बैक की नीतियों एवं पीएम मित्रा पार्क आदि पर विभिन्न निर्यात सवंर्धन परिषदों से सुझाव मांगे गए। टेक्सटाइल से सम्बंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए टेक्सटाइल प्रोमोशन मिशन की स्थापना पर सुझाव मांगे गए।

इस बैठक के बाद यह फैसला किया गया कि विभिन्न मसलों पर सब-टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिसका मुखिया संबद्ध मंत्रालय का अधिकारी होगा और उद्योग एवं संबंधित निर्यात संवर्धन परिषद् के अधिकारी उसके सदस्य होंगे। यह सब-टास्क फोर्स विभिन्न मसलों के समाधान के लिए टास्क फोर्स का सुझाव भेजेगी। इस टास्क फोर्स में सभी कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद् और उद्योग संघ शामिल हैं। इसमें वाणिज्य विभाग, कपड़ा मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, डीजीएफटी, डीपीआईआईटी, राजस्व विभाग, कृषि और किसान कल्याण विभाग, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग तथा भारतीय स्टैंडर्ड ब्यूरो जैसे विभाग और मंत्रालय भी शामिल हैं।

टास्क फोर्स का लक्ष्य- इस टास्क फोर्स का उद्देश्य 20 महत्त्वपूर्ण और एफटीए देशों में कपड़ा निर्यात को बढ़ाने के लिए सुझाव देना है। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजार शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि देश के टेक्सटाइल उद्योग का अर्थव्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह देश को सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाले क्षेत्र है, जिसका देश के निर्यात में लगभग 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सीआईटीआई (कांफेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री) के अध्यक्ष श्री राकेश मेहरा ने वाणिज्य मंत्रालय द्वारा टास्क फोर्स के गठन का स्वागत किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कपड़ा निर्यातक भारत द्वारा पहले ही संपन्न और आगामी दिनों में होने वाले मुक्त व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठा सकें।

उनका कहना है कि व्यापार समझौतों के अभूतपूर्व अवसरों के द्वार खुलने के साथ देश के टेक्सटाइल सेक्टर को विश्वास है कि यह आगे चलकर विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति में बड़े पैमाने पर योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि सीआईटीआई नवाचार, स्थिरता और कौशल विकास के माध्यम से भारतीय टेक्सटाइल क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को और बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्यों के अधिकारियों और एमएसएमई श्रेणी में आने वाले कपड़ा उद्योग के खिलाड़ियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना जारी रखेगा, ताकि उद्योग सफलता की नई ऊँचाइयों को छू सके।

निर्यात अधिक- उल्लेखनीय है कि हाल ही समाप्त हुए वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश से टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेण्ट के निर्यात में 6.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 36.61 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया। इसके साथ ही देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेण्ट का योगदान फिर बढ़कर 8.37 प्रतिशत हो गया है। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट का निर्यात 3.24 प्रतिशत घटकर 34.43 बिलियन डॉलर रह गया था, जबकि वर्ष 2022-23 में निर्यात 35.58 बिलियन डॉलर का स्तर छू चुका था।

बढ़त जारी- इसी बीच चालू वित्त वर्ष का आरंभ शानदार तरीके से हुआ है तथा विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में वृद्धि की दर जारी है। अप्रैल के बाद मई में टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में वृद्धि हुई तथा वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.36 प्रतिशत बढ़कर 6.180 बिलियन डॉलर हो गया। इसी अवधि में गत वर्ष निर्यात 5.866 बिलियन डॉलर था। गारमेण्ट के निर्यात में 12.80 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई और 2.882 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि टेक्सटाइल निर्यात 0.39 प्रतिशत बढ़कर 3.297 बिलियन डॉलर हो गया। आलोच्य अवधि में देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेण्ट का योगदान 8 प्रतिशत रहा।

कॉटन आयात- प्राप्त आंकड़ों के कारण विश्व बाजार में भाव नीचे होने के कारण कॉटन का आयात लगातार बढ़ रहा है। मई में कॉटन का आयात 133.14 प्रतिशत बढ़कर 102.3 मिलियन डॉलर हो गया। अप्रैल और मई में इसका आयात 131 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 189.18 बिलियन डॉलर हो गया। जानकारों का कहना है कि सरकार द्वारा आगामी वर्ष के लिए कॉटन के एमएसपी वृद्धि को देखते हुए अगामी माह में कॉटन के आयात में वृद्धि का अनुमान है।

YARN Rate

यार्न रेट्स 20 जून, 2025

C.T.M.
PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	---
2/18 Dyed	---
2/40 Dyed	---
2/30 Frosted	---
2/30 Dyed Slub	---
2/30 School Dress Clourer	---

R.T.M Mob: 9829047404

2/30 Dyed Ntbl	228
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	226

SRM Spinners Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	165
2/18 PV Navy 85:15	175
2/18 PV Black 70:30	194
2/18 R Navy 70:30	187
1/15 Poly Black	129
20 PV Black	151
15 PV Black	147
2/30 PV 65/35 Black	192

PANIPAT YARN- 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey.	108-152
150 Roto Black.	110-155
150 Roto Bright.	126-145
150/250 grey.	114-165
150/250 dyed	125-169
150 FDY.	129
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	136
2/40 POLY	182
2/15 Poly Grey	126
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	122
Cotton Yarn	
4 cone OE	59-118
6 cone. OE	65-168
10 cone OE	87-121
2/4 cone OE	92-165
2/6. OE	102-178
2/8 OE	106-189
2/10 OE.	117-229
2/20 OE.	228-311
2/30 RF.	313-432
2/40 RF	315-434
STAPLE YARN	
10 CONE	209
15 CONE	210
20 CONE	214
2/15 CONE	218
2/40 CONE	271

Raghav Group (94141-11402)
Email: sheetal@raghavindia.com

COUNT	RATE
TRIDENT LIMITED	
1/10 OE	-
1/14 OE	-
1/16 OE	-
1/20 OE	-
30 KW	-
30CWC	-
2/40 CW ELLY	-
40 CW COMPACT	-
50 CW COMPACT	-
ANKUR UDYOG LIMITED	
1/30 POLY 100%	-
1/20 POLY 100%	-
1/15 POLY 100%	-
SIDDHARTHA SUPER SPG MILLS	
2/15 P/V DYED OLIVE GREEN	-
2/18 P/V BLACK	-
2/30 P/V BLACK	-
LNJ DENIM	
6 OE	-
7 OE	-
10 OE	-
10 LYCRA	-
10 SLUB LYCRA	-

VISAKA IND. LTD.
PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey@	158
2/24 Poly Grey@	164
2/30 Poly Grey@	169
2/40 Poly Grey@	196
2/60 Poly Grey@	257
2/76 Poly Grey@	315
2/30 PV Black @	218
2/40 PV Black @	258
2/30 PV HD Dyed @	245

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.
PH. 99358-27000

Ankur	
1/20 pv	NA
1/15 pv	NA
2/30 pv	NA
1/30 pv	164
Jaanvi	
1/15 psy	121
Triveni	
2/40 pv	216
2/30 pv	184
1/20 pv	156
1/15 pv	150

NEETA YARNS
Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg	
2/60 PC (65/35)	280
2/60 PVT	278
2/60 Polyster	238
2/76 Polyster	288
2/60 P.V.	278
2/60 P.C.	280
150/48/400 Bright	135
75/36/1450 Bright Rate	160
65/36/600 Bright Rate	216
100/36/1450	148

MODTEX TEXTURISERS
PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	200+GST
150 HIM Cone Dyed	.....+GST
300 HIM Cone Dyed	.....+GST

Cd : 3rs/kg

GRASIM INDUSTRIES LTD.
PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	-
2/40 Dyed	-
2/50 Dyed	-

PAWAN ENTERPISES
9414111656

Triveni Spinning	
1/15 Pv. 70/30 Z Black@	-
2/30 pv 70/30 Z Black@	-
2/40 Pv70/30 Z Black@	-
Vergine Quality	
1/15 Pv 70/30 Grey @	-
1/20 Pv 70/30 Grey@	-
2/15 Pv 70/30 Grey@	-
2/18 Pv 70/30 Grey @	-
2/30 Pv70/30 Grey@	-
1/15 Polyester Grey@	-
2/20 Polyester Grey @	-
2/30 70/30 Melange@	-
2/30 100% Viscose@	.....
2/40 100% viscose@	-

RATAN BARJATIYA SPINNERS
Bhavit Jain: 9928913144

PV Yarn	
2/60 PV	265
2/40 PV	210
2/30 PV	185
2/24 PV	178
2/20 PV	172
2/18 PV	168
2/15 PV	164
Recycled PV Yarn 70:30	
2/40 PV	195
2/30 PV	175
Polyester Yarn	
2/60 Poly	240
2/40 Poly	188
2/30 Poly	160
2/24 Poly	154
2/20 Poly	150
2/15 Poly	144
Recycled Polyester yarn	
2/40 recycled	170
2/30 recycled	152
2/20 recycled	135
2/15 recycled	130
1/15 recycled	118
PC Yarn Combed (65:35)	
2/40 PC	255
2/30 PC	230
Black Yarn	
2/30 poly black	150
2/30 pv 70:30 black	195
2/47 poly magic	170
2/47 pv magic	188

यूनिफॉर्म में अच्छी पूछ-परख

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा...बाजार में इस समय यूनिफॉर्म की अच्छी बुकिंग आ रही है। जैसे कि चैक्स, शर्टिंग, ट्रॉविन इत्यादि की बुकिंग चालू है। प्राइमरी सूटिंग की स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूल बॉय के नाम से विभिन्न कलरों की बुकिंग ऑर्डर से आ रही है। प्राइमरी का कपड़ा इस समय अच्छा बिक रहा है। श्रीमान अमित कुमार झँवर ने भी स्कूल यूनिफॉर्म पर पूरा ध्यान दे रखा है। जैसे सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, देहरादून, जौनपुर, कानपुर में कपड़ा अच्छा जा रहा है। सूटिंग की बुकिंग बराबर आ रही है। पूजा साड़ी शोरूम के श्रीमान अग्रवाल जी के यहां सूटिंग शर्टिंग की ग्राहकी अच्छी रही है। श्री भैरवनाथ टेक्सटाइल के यहां प्राइमरी की क्वालिटी जैसे पाल्मर्स, जफायर, सिनेमैटिक, स्कूल बॉय, पारिसीनो, ब्लैक बोर्ड की ग्राहकी इस समय अच्छी है। मिलों से ऑर्डर बराबर आ रहे हैं। प्रिंस टेलर के यहां सिलाई का काम अच्छा चल रहा है। स्कूलों की ड्रेस बनाकर सिलाई 700 से 900 तक करी जा रही है। अभी टेलरों के पास समय नहीं होने के कारण रेडीमेड का अभाव ज्यादा है। आगे सीजन चलने की पूरी उम्मीद बनी हुई है।

स्कूल यूनिफॉर्म को छोड़कर ग्राहकी मंद

उदयपुर/ नवीन कोठारी

स्कूलों में गर्मी का अवकाश समाप्त हो रहा है और प्रवेश भी प्रारंभ हो चुके हैं। साथ ही अपने-अपने स्कूल की यूनिफॉर्म भी अभिभावकों की जानकारी में लाने से बाजार में उन प्रतिष्ठानों पर ग्राहकी बढ़ गयी, जहाँ यूनिफॉर्म बनती है या रेडीमेड विक्रय की जाती है। यूनिफॉर्म में एकरूपता बनाए रखने के लिए स्कूल प्रबंधन यूनिफॉर्म प्रतिष्ठान भी सुनिश्चित करते है, जहाँ एक जैसा यूनिफॉर्म का कपड़ा थोक में मंगवाकर साईज के अनुरूप यूनिफॉर्म तैयार करवायी जाती है। इन दिनों ऐसे ही प्रतिष्ठानों पर ग्राहकी देखने को मिल रही है। अन्य वस्त्रों की ग्राहकी न के बराबर होने से दिनभर प्रतिष्ठानों पर सन्नाटा पसरा रहता है। यूनिफॉर्म प्रतिष्ठानों पर सिलाई की व्यवस्था उपलब्ध रहने से ग्राहकों को सुविधा प्राप्त हो रही है। आगामी दिनों में मानसून सक्रिय होते ही वस्त्र बाजार में ऑफ सीजन शुरू हो जाएगा तथा यूनिफॉर्म की ग्राहकी स्कूल, कॉलेज खुलने के साथ थम जाएगी। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में वस्त्र बाजार सूस्त रह सकता है।

जुलाई 2025 में वस्त्रोद्योग पर नवग्रह प्रभाव -ज्योतिषी

मुम्बई/ आर बी सिंह

जुलाई में मिथुन राशि के गुरू अस्त होने एवं सिंह राशि में केतु-मंगल की पुष्टि पर राहु की दृष्टि से व्यापार के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उथल-पुथल की स्थिति बनेगी। कर्क में बुध व वृषभ में शुक्र की स्थिति से व्यापार जगत में उथल-पुथल के बावजूद संतोषजनक स्थिति बनी रहेगी तथा वक्री शनि राहत देगा।

माह की शुरूआत में 1 से 6 जुलाई तक शुक्र का प्रभाव दलहन, तिलहन, मसाला, आलू, प्याज, लहसुन, अदरक एवं हल्दी को तेज करेगा, किंतु वस्त्रों, धातुओं को मंदा करेगा। 6 से 12 जुलाई तक बुध के प्रभाव से खाद्यान, मसालों, दलहन, तिलहन में विशेष तेजी देखने को मिलेगी। 13 जुलाई से शनि के वक्री होने से अन्न, किराणा, कॉटन, वस्त्र आदि का स्टॉक करने से शनि के मार्गी होने के बाद अच्छा लाभ होगा।

आगे 14 से 19 जुलाई तक दलहन, तिलहन, मसालों में तेजी आएगी तथा खनिज तेल की भी कीमत बढ़ेगी। 20 से 25 जुलाई तक बुध के प्रभाव से खाद्यानों में मंदी रहेगी, किंतु मसालों में तेजी आएगी। जुलाई के आखिरी सप्ताह में कीमती धातुओं में विशेष तेजी देखने को मिलेगी। साथ ही सूत, वस्त्र, कपास में भी तेजी देखने को मिलेगी।

डॉ. कुन्दन ज्योतिषी, मोबाइल नंबर - 88879 00060

कपास उत्पादन खर्च बढ़ने... पृष्ठ 08 का शेषांश

सात महीने में लगभग 10 लाख गांठ का निर्यात किया गया है। आगामी सीजन के लिए कैरी फॉरवर्ड स्टॉक 32.54 लाख गांठ रहेगा। वहीं टेक्सप्रोसील का कहना है कि भारत की अनेक स्पिनिंग मिलों ने कस्तूरी कॉटन पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार चाहती है कि पाँच वर्ष 10 प्रतिशत कस्तूरी कॉटन भारत में उगाई जाए और वह कस्तूरी कॉटन की तरह टेस्टेड एवं प्रमाणित होनी चाहिए। सरकार कॉटन मिनी मिशन के तहत मदद करेगी। वर्ष 2024-25 कॉटन सीजन के दौरान कस्तूरी कॉटन सर्टिफिकेशन 1.12 लाख गांठ को दिया जाएगा। कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया इस कॉटन के लिए प्राथमिक भंडारण की सुविधा देगा और इसका उपयोग इंटरनेशनल कॉटन ब्राण्ड्स के रूप में किया जाएगा। कुछ भारतीय टेक्सटाइल उत्पादक इसका उपयोग शर्ट एवं टॉवेल का उत्पादन करने में करते हैं।

ब्राजील के कॉटन उत्पादन में वृद्धि निर्यात में अमेरिका को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा... हाल के वर्षों में ब्राजील में कॉटन के उत्पादन में भारी वृद्धि हुई है और उसने अब निर्यात में अमेरिक को भी पीछे छोड़ दिया है। ब्राजील की एक एजेंसी कोनाब के अनुसार वर्ष 2024-25 के दौरान वहाँ पर कॉटन का उत्पादन पूर्व वर्ष की तुलना में 5.7 प्रतिशत बढ़कर 39.1 लाख टन होने का अनुमान है। यूएसडीए के अनुसार ब्राजील में गत एक दशक में कॉटन के क्षेत्रफल और प्रति हेक्टेयर उपज में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2015-16 के दौरान ब्राजील में कॉटन का क्षेत्रफल 9.10 लाख हेक्टेयर था और प्रति हेक्टेयर उपज केवल 1,603 किलो थी। गत 9 वर्षों से कॉटन का क्षेत्रफल लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2024-25 में 19.45 लाख हेक्टेयर हो गया और प्रति हेक्टेयर उपज 1,903 किलो हो गई। यूएसडीए के अनुसार वर्ष 2025-26 में कॉटन का रकबा और बढ़कर 21 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है तथा प्रति हेक्टेयर उपज घटकर 1,892 किलो रहने की आशंका है। हालांकि, विश्व में कॉटन के कुल उत्पादन में ब्राजील का योगदान 14.5 प्रतिशत है, लेकिन निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 30.5 प्रतिशत है, जिसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है।

मिलों द्वारा सूटिंग-शर्टिंग पेज 1 का शेषांश...

व्यापारियों के अनुसार बाजार में रेमंड, सियाराम, ग्राडो, डोनियर, रीड एंड टेलर, दिग्जाम और अन्य मिलों के माल की बनी हुई है। समर सीजन को देखते हुए कॉटन सूटिंग की मांग अच्छी रहने की संभावना है, जबकि लिनन में मांग सीमित रहने की आशा है। कॉम्बो पैक की मांग कमजोर बनी हुई है और लगभग यहीं स्थिति सफारी सूटिंग की भी है। शर्टिंग में कारोबार कमजोर ठीक रहा, जबकि मिलें और निर्माता बुकिंग कर रही हैं। जानकारों का कहना है कि विंटर सीजन के कारण आगामी सीजन में शर्टिंग की मांग कमजोर रह सकती है। एथनिक ड्रेस के लिए कॉटन व सिंथेटिक फैब्रिक की मांग अच्छी बनी रही।

व्यापारियों का कहना है कि परम्परागत लहंगा-चुनरी की मांग बढ़ नहीं रही है, क्योंकि वैस्टर्न परिधानों का चलन बढ़ रहा है। लाइट कलर और लाइट वेट के लहंगा और वैवाहिक गाउन की मांग में वृद्धि हो रही है तथा कॉटन आयटमों की अच्छी मांग रहीं। जानकारों का कहना है कि कॉटन के भाव ऊँचे होने के कारण कैम्ब्रिक, पोपलीन, ग्लेज्ड कॉटन आदि के भाव पूर्व स्तर पर बने हुए हैं। देश में इस वर्ष भी कॉटन का उत्पादन कम होने का अनुमान है। इससे कॉटन के भाव में गिरावट की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। विश्व बाजार में भी कॉटन के भाव मजबूत बने हुए हैं, लेकिन भारत की तुलना में कम होने से आयात में वृद्धि की संभावना है। टू बाई टू रूबिया की मांग सिमटती जा रही है, लेकिन फैंसी ब्लाउज मटीरियल की मांग में सुधार हो रहा है।

आनन सूटिंग की आगामी रिटेल कॉन्फ्रेंस शिमला में

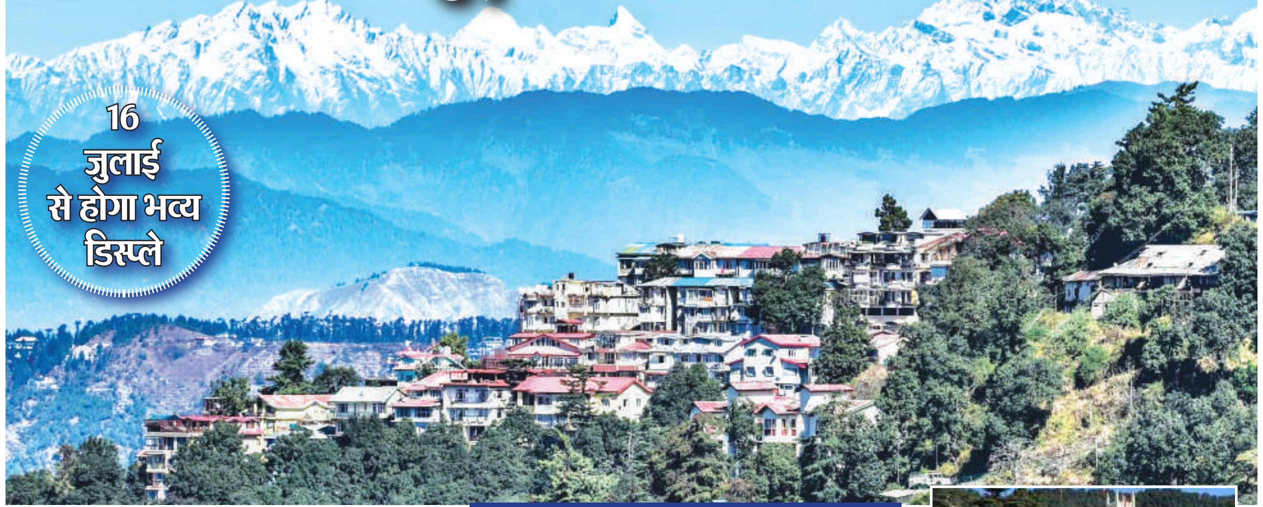

मुम्बई/ प्रतिष्ठित सूटिंग ब्राण्ड AANAN (एएसएम इंडस्ट्रीज) द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए 16 जुलाई 2025 से शिमला के रेडिसन ब्ल्यू होटल में अपनी भव्य ऑल इंडिया रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन करने जा रहीं है। इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पादों में नया डवलपमेण्ट पेश करते हुए रेंज प्रदर्शित की जाएगी। कम्पनी के डायरेक्टर श्री मधुसुदन केजरीवाल एवं श्री आनंद केजरीवाल ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा सूटिंग फैब्रिक की विस्तृत रेंज, जिसमें Rossion-4 way Lycra, Punch Lycra, Riyzu Lycra, Caruen Lycra हाई ट्विस्ट में TR Fabric, TR Lycra Fabric, TR 4 way Lycra एवं डोबीज, चैक्स, प्लेन के साथ और भी अनेक नये डवलपमेण्ट्स का डिस्प्ले किया जाएगा।

शिमला भ्रमण का आनंद

भारत के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन में से एक है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता एवं ठंडी जलवायु बर्फ के पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है। व्यापारियों को शिमला की वादियों रिज मैदान, माल रोड, जाखू मंदिर, कुफरी एवं नाल केहरा के भ्रमण का मजा लिया जाएगा।

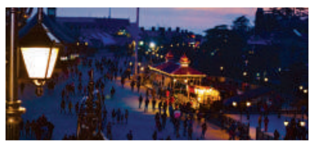

कपड़ा व्यापार की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ और संभावनाएँ

गरीबनाथ बंका
कपड़ा व्यवसायी एवं सामाजिक चिंतक
मुज़फ्फरपुर, बिहार

मुजफ्फरपुर/ भारत का कपड़ा उद्योग न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला सेक्टर है, लेकिन हाल के वर्षों में कपड़ा व्यापार कई बदलावों और चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

वर्तमान स्थिति की झलक

1. मांग में अस्थिरता- कोविड -19 के बाद से उपभोक्ता व्यवहार में काफी बदलाव आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग कुछ हद तक स्थिर है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में ब्राण्डेड और ऑनलाइन उत्पादों के कारण पारंपरिक कपड़ा बाजार पर दबाव बना हुआ है।

2. कच्चे माल की बढ़ती कीमतें- कॉटन, पॉलिएस्टर, डाई और यार्न की कीमतों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से लागत में तेजी आई है। इससे थोक व्यापारी और रिटेलर्स को मार्जिन में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

3. ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी की चुनौती- ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन ने परंपरागत खुदरा व्यापार के सामने एक नई चुनौती खड़ी की है। छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टिके रहना कठिन हो रहा है।

4. आयात-निर्यात में बाधाएँ- वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी, कंटेनर की कमी और बढ़ते टेक्स-टैरिफ ने कपड़ा निर्यात को प्रभावित किया है। इसके विपरीत, सस्ते चाइनीज व वियतनामी कपड़े भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे घरेलु व्यापारियों को नुकसान हो रहा है।

संभावनाओं की राह

1. स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा- 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहल घरेलु उत्पादन और व्यापार के लिए सकारात्मक संकेत दे रही हैं। अगर सरकार से सहयोग मिले, तो MSME कपड़ा इकाइयाँ एक बार फिर गति पकड़ सकती हैं।

2. डिजिटल अपनापन- व्यापारियों को ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और सोशल मीडिया मार्केटिंग को अपनाना चाहिए। इससे वे नए ग्राहकों तक पहुँच सकते हैं और प्रतिस्पर्धा में बने रह सकते हैं।

3. क्लस्टर आधारित नीति की जरूरत- कपड़ा व्यापार को राज्य और केंद्र सरकारों से विशेष आर्थिक जोन (Textile Hubs) की आवश्यकता है, ताकि एकसमान रूप से विकास हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें।

निष्कर्ष- कपड़ा व्यापार इस समय संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर जहाँ बाजार की चुनौतियाँ हैं, वहीं तकनीक और नीतियों के जरिए इसमें नए अवसर भी निहित हैं। समय की माँग है कि व्यापारी, निर्माता और सरकार मिलकर एक ऐसी रणनीति बनाएं, जो भारतीय कपड़ा उद्योग को फिर से वैश्विक मानचित्र पर प्रतिष्ठित स्थान दिला सके।

डीकेटीई स्टूडेंट्स को मिला इटालियन टेक्नोलॉजी सम्मान

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

इचलकरंजी डीकेटीई की कामाक्षी सुंदरम, भाग्यश्रीदे, शुभम हुल्ले और गौरव मराडा स्टूडेंट्स ने दि एसोसिएशन ऑफ इटालियन टेक्सटाइल मशीनी मैन्युफेक्चर्स के लिए इटालियन टेक्नोलॉजी पर रिसर्च के लिए इटली में इटालियन टेक्नोलॉजी पुरस्कार से गौरवान्वित किया गया। आज तक कुल अठारह छात्रों और सात बटालियनों को इटालियन इंडस्ट्रीज को भेंट देने का मौका मिलता है।

इस बीच डीकेटीई के टेक्सटाइल विभाग में डॉ. पी. बी. मल्काने और डॉ. ए. जे. ढावेले समन्वयक के अनुसार इटली में छात्रों के साथ बातचीत की गई। रेपियर लूम, डिजिटल प्रिंटिग, नीटिंग, फिनिशिंग जैसे आधुनिक उद्योगों को भेंट दी। बी.टेक. टेक्सटाइल के गौरव मरदा इस छात्र ने डॉ. एस. एन. जावले के दिशा-निर्देश में टेरी टॉवेल फैब्रिक मैन्युफेक्चरिंग में पायल यार्न और पायल हाईट के टाइल्स के प्रभाव और कामाक्षी सुंदरम ने डॉ. मंजुनाथ बुर्जी के निर्देशन में डवलप ऑफ नेचुरल थर्मल इंफ्रास्ट्रक्चर मटीरियल यूजिंग हेम्प फाइबर जैसे विषयों पर रिसर्च किया गया। इन छात्रों को इटालियन ट्रेड एजेंसीज इटलिया चिरा ट्रोसी के हाथों सम्मानित किया गया। इन छात्रों को संस्थाध्यक्ष कल्लाप्पन्ना अवाडे , पूर्व मंत्री श्री प्रकाश अवाडे, सचिव डॉ. सौ सौ. शशांक अवाडे, कार्यकारी निदेशक श्री रवि अवाडे, ऑल म्यूजिकल, लीडर प्रा. डॉ. एल. एस. एडमुथे, उपसंचालक प्रा. डॉ. यू. जे. पाटील के द्वारा सराहा गया।

डीकेटीई के छात्र इटली में इतालवी टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी पुरस्कार को स्वीकार करते हुए। साथ में मार्गदर्शक शिक्षक और मान्यवर।

भरोसे की परम्परा
SGS
SUITING • SHIRTING

की मेगा कॉन्फ्रेंस 8 जुलाई से कुल्लू-मनाली में तैयारियां पूरी

नये कलेक्शन की होगी धमाकेदार बुकिंग

मुम्बई/ सूटिंग-शर्टिंग एवं अपेरल ब्राण्ड SGS हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी मेगा कॉन्फ्रेंस-2025 की शुरूआत 8 जुलाई 2025 से कुल्लू-मनाली में करने जा रही है। इस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारत की सभी मण्डियों के अन्तर्गत व्यापारी सपरिवार कॉन्फ्रेंस में आने को उत्साहित है।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने बताया कि कम्पनी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी मेगा कॉन्फ्रेंस -2025 की घोषणा कर चुकी है, जिससे संपूर्ण भारत की मण्डियों में SGS से जुड़े व्यापारियों द्वारा कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए तैयार हो चुके हैं। इस वर्ष कम्पनी ने अपने व्यापारियों के लिए अनेक आकर्षक डिजाइनों के साथ नया कलेक्शन कॉन्फ्रेंस में पेश करने के लिए डवलपमेण्ट किया है। कम्पनी द्वारा अलग-अलग पैटर्न एवं विभिन्न डिजाइंस में डिस्प्ले की योजना पर नये सेम्पल चार्ट तैयार कर दिए हैं, जो व्यापारियों को आगामी सीजन के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। विदित रहे कि भरोसे की परंपरा का निर्वाह करते हुए कम्पनी अपने व्यापारियों के लिए हर वर्ष मेगा कॉन्फ्रेंस करती है, जिसमें चारधाम की यात्रा का सौभाग्य भी व्यापारियों को मिल चुका है। इन कॉन्फ्रेंसों में देशभर से रिटेलर्स, एजेंट व डीलर्स सपरिवार शिरकत करते हैं और इस वर्ष कम्पनी ने अपनी मेगा कॉन्फ्रेंस को और अच्छे तरीके से करने की योजना पर कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है।

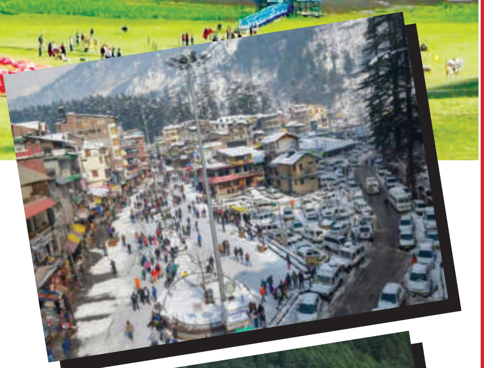

कुल्लू-मनाली में भरपूर आनन्द

श्री वरूण राठी ने बताया कि इस वर्ष कम्पनी अपने व्यापारियों को कुल्लू-मनाली का भ्रमण कराने जा रही है, जहाँ अटल टर्नल, माल रोड, रोहतांग पास, मनाली व्यू को देखकर व्यापारियों का जोश और भी ज्यादा होने वाला है। इस दौरान कम्पनी द्वारा अवॉर्ड सैरेमनी, न्यू लॉञ्चिंग, मनोरंजन का भरपूर आनन्द लिया जाएगा।

आगामी सीजन की तैयारी में जुटा रॉयल ब्लू ब्राण्ड

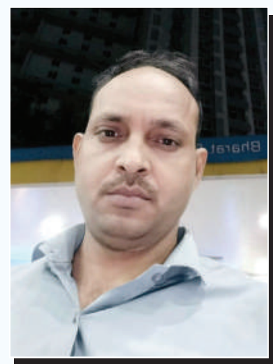

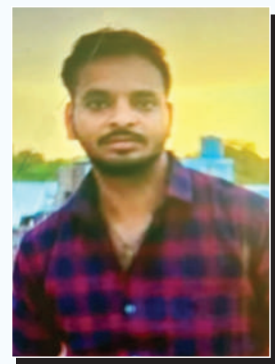

मुम्बई/ गारमेण्ट सेक्टर में अपनी पहचान बनाने वाले रॉयल ब्लू ब्राण्ड द्वारा पिछले सीजन में बम्पर बुकिंग करते हुए अब आगामी सीजन की तैयारी शुरू कर दी है।

धनलक्ष्मी टेक्सटाइल के मालिक श्री गणेश राठौड़ ने बताया कि फर्म द्वारा आगामी सीजन के लिए वूलन, पशमीना शर्टिंग, व्हाइट, कु र्ता फैब्रिक में अनेक डवलपमेण्ट किया जा रहे हैं, जिसमें पशमीना शर्टिंग की डिमाण्ड अभी से आना शुरू हो गई है। फर्म द्वारा गारमेण्ट सेक्टर में बचिंग चैक्स में निरंतर डवलपमेण्ट पेश किया जा रहे हैं। इसकी मार्केट में बम्पर डिमाण्ड निकलकर आ रहीं है।

श्री गणेश राठौड़ ने बताया कि हमारे द्वारा 36 इंच एवं 58 इंच शर्टिंग में बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष फर्म द्वारा पीसी, व्हाइट, वूलन तथा गारमेण्ट सेक्टर के लिए प्लेन, डिजिटल प्रिंट, लाइनिंग, चैक्स, कॉटन चैक्स एवं पीसी की क्वालिटियों तथा रमजान माह में कुर्ते-पायजामे की डिमाण्ड सबसे ज्यादा देखी गई है, जो गारमेण्ट सेक्टर में डिमाण्ड के साथ सप्लाई किया गया। कुर्ता-पायजामा में नॉर्थ की मण्डियों में पूरा जोर रहा है। आज हमारे द्वारा नॉर्थ की मण्डियों में बड़े पैमाने पर माल सप्लाई किया जा रहा है। व्यापारियों की डिमाण्ड को ध्यान में रखते हुए व्हाइट एंड व्हाइट फैब्रिक पर विशेष फोकस करते हुए वाटरप्रूफ गीजा शर्टिंग एवं गारमेण्ट सेक्टर में पोपलीन चैक्स एवं ऑक्सफोर्ड चैक्स में भी अनेक क्वालिटियां बनाई गई है, जिसे भारत की तमाम मण्डियों से अच्छी बुकिंग मिल रही है।

नॉर्थ की मण्डियों में भरपूर बिक्री

श्री राठौड़ ने बताया कि फर्म द्वारा नॉर्थ की मण्डियों में मजबूत पकड़ बनाई है। वहाँ के सभी व्यापारी भाइयों को धन्यवाद करते हैं कि वे आज रॉयल ब्लू ब्राण्ड के साथ कार्य करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कम्पनी आज चार डिविजन में कार्य करती हैं, जिसमें गारमेण्ट सेक्टर, ऑनलाइन प्रोग्रामिंग, एपीसी कटिंग एवं यूनिफॉर्म सेक्टर में अपने पाँव पसार चुकी है। कम्पनी के सभी उत्पादों की निरंतर डिमाण्ड बनी हुई है।

टीमवर्क के साथ कार्य

श्री राठौड़ ने बताया कि महज थोड़े से समय में ही हमारे ब्राण्ड ने निरंतर प्रगति की है। इसमें मेरे साथ, मेरे दो भाइयों श्री महेंद्र राठौड़ एवं श्री सुरेश राठौड़ ने कंधे से कंधा मिलाकर हमारे इस ब्राण्ड को आगे बढ़ाने में निरंतर सहयोग कर रहे हैं। आज हमारी फर्म हम सभी के सहयोग के साथ चल रहीं है। हम हमेशा टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ते हैं। हमारे द्वारा गारमेण्ट सेक्टर के लिए 800 से 900 क्वालिटियों का महान कलेक्शन हर समय तैयार रहता है। हम हमारे प्रोडक्ट के प्रति काफी सजक हैं और सही क्वालिटी वाजिब दाम पर उपलब्ध कराना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है।

Royal Blue
DHANLAXMI TEXTILES MILLS
3rd Floor Office No. 308, Mahadev Building No. A, Munisurat Complex Phase-2, Anjur Phata, Rehnal, Bhiwandi-421302 Thane (MH), Off.: +91 8928351068,
GANESH RATHORE : +91 9322394108, +91 8209241369

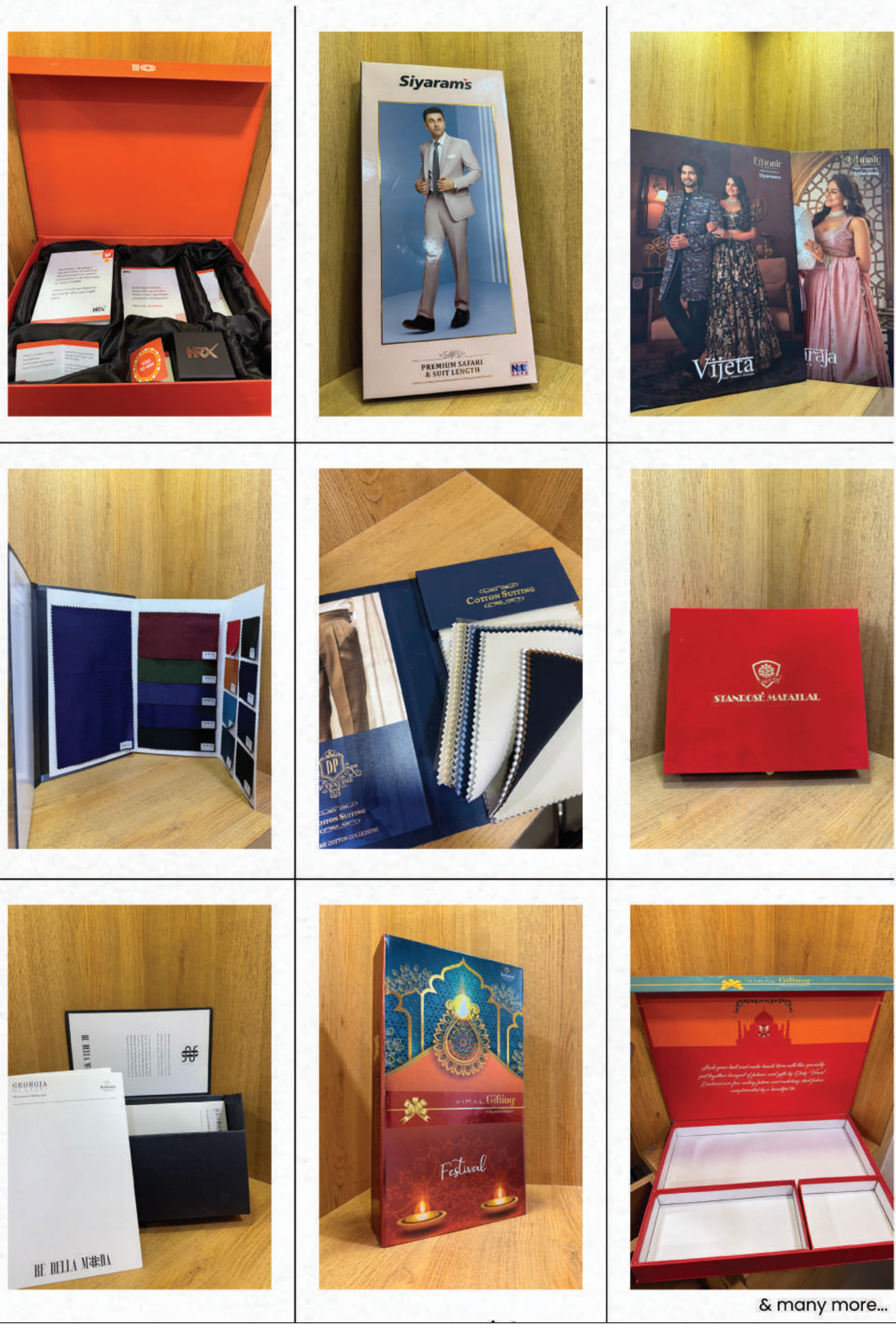

MAYURAM
PRINTING | PACKAGING | PROMOTION

India's leading customized packaging manufacturers!

- ✓ Textile Packaging Boxes
- ✓ Fabric Sample Booklets
- ✓ Swatch Booklets & Cards
- ✓ Photoshoot & Catalogues

LET YOUR PACKAGING DO THE TALKING!

Print Mayuram
+91 74260 84447
printmayuram.com
contact@printmayuram.com

Scan this QR to see our products

टेस्टिंग विभाग में SOP (मानक संचालन प्रकिया) की महत्ता

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट
सम्पर्क-74258 13125

आपने एक बात तो सुनी होगी ‘सावधानी हटी, दुर्घटना घटी’ किसी भी दुर्घटना/चूक को नियंत्रित करने में निम्न बातों को समझना होगा-

1. वह बातें, जो हमारे कंट्रोल में है।
2. वह बातें, जो दूसरों के कंट्रोल में है।
3. वह बातें, जो न हमारे कंट्रोल में है, न दूसरों के कंट्रोल में है। द्वितीय विश्व युद्ध में जब मैदान में जरूरत के समय हथियारों को फेल होते देखा गया, तब सेना में SOP का प्रचलन बढ़ा और संस्थानों ने भी गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए डिपार्टमेंट में SOP पर कार्य आरम्भ किया। यहाँ एक बात बतानी जरूरी है कि SOP में समय के साथ बदलाव होने चाहिए।

उपरोक्त बात को समझने के लिए हम दो केस स्टडी द्वारा समझाने का प्रयत्न करेंगे।

A. अहमदाबाद हवाई दुर्घटना ने सबको सकते में ला दिया। इस दुर्घटना में कई परिवारों ने अपने सदस्यों को हमेशा के लिए खो दिया और जमीन पर कई नागरिकों को जान-माल की हानि झेलनी पड़ी। हवाई कम्पनी का कार्य यात्रा करने वालों को सुरक्षित, सुविधा के साथ और सही समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुँचाना है। इसके लिए हवाई जहाज का रख-रखाव, उनको चलाने वाले एवं सर्विस देने वाले महत्वपूर्ण होते हैं। जिसके लिए SOP बनाए जाते है। जैसे -

1. उड़ान भरने से पहले के SOP
2. उड़ान के दौरान, पायलट एवं स्टाफ को जरूरी निर्देश।
3. यात्रा पूरी होने के बाद ज्यादातर दुर्घटनाओं में इन निर्देशों की अवहेलना पाई जाती है। जैसे-
   (a) सुरक्षा चेकिंग में चूक।
   (b) रख-रखाव टीम द्वारा जहाज की खराबी को अनदेखा करना।
   (c) पायलट के ड्यूटी का समय।
   (d) SOP में चूक।
   (e) इंजन में पक्षियों का फसना।

हालांकि, सरकार और एयरलाइन ने दुर्घटना के कारणों के लिए जाँच टीम बना दी है और आशा है कि कारणों का जल्दी पता लगाकर इनको भविष्य के लिए दूर किया जाएगा।

B. मुझें हाल ही मरीज के साथ हॉस्पिटल जाना हुआ, जहाँ बीपी टेस्ट के दौरान मरीज का बीपी बढ़ा हुआ दिखाया गया। जब उसी मरीज का एक हफ्ते घर पर मशीन की रीडिंग, हॉस्पिटल की मशीन से जाँच की गई, तो हॉस्पिटल की रीडिंग में 15 से 20 नंबर ज्यादा दिख रहे थे। यह बताने के बाद इंस्ट्रू में रॉ-मटीरियल इत्यादि होने के बावजूद निर्धारित गुणवत्ता के स्टैंडर्ड से दूरी के कारणों को समझने का प्रयास करेंगे और अपने संस्थान से उनको दूर करने का प्रयास करेंगे।

1. टेस्टिंग में उपयोग लेने वाली मशीनों में कैलिब्रेशन की चूक, बैलेंस के उपयोग में निडल्स का जीरो न होना, इससे सारी रीडिंग निर्धारित वैल्यू गलत होगी।
2. ऑपरेटर को मशीन की जानकारी न होना।
3. एक ही सैंपल का अलग-अलग वैल्यू दिखाना।

उपर्युक्त कारणों को दूर करने के उपाय

1. सेम्पल की कंडीशन का समय।
2. मशीन की टूट-फूट।
3. ऑपरेटर की स्किल।
4. सही मटीरियल के लिए सही मशीन का चुनाव।
5. टेस्टिंग की जगह ह्यूमिडिटी, वोल्टेज एवं हवा का प्रेशर इत्यादि का ध्यान।
6. सेम्पलिंग के तरीके में सुधार।

उपर्युक्त बाते न ही टेक्सटाइल के लिए है, बल्कि वैलनेस सेक्टर में भी इनकी उपयोगिता हैं और गुणवत्ता नियंत्रण कर बचा जा सकता है। इसको अगर सही तरीके से लागू करने पर गुणवत्ता में सुधार होता है, तो इसका सकारात्मक प्रभाव, रिप्रोसेस, खराबी, ब्रेकडाउन मेंटीनेंस, कस्टमर के विश्वास पर देखा जा सकता है।

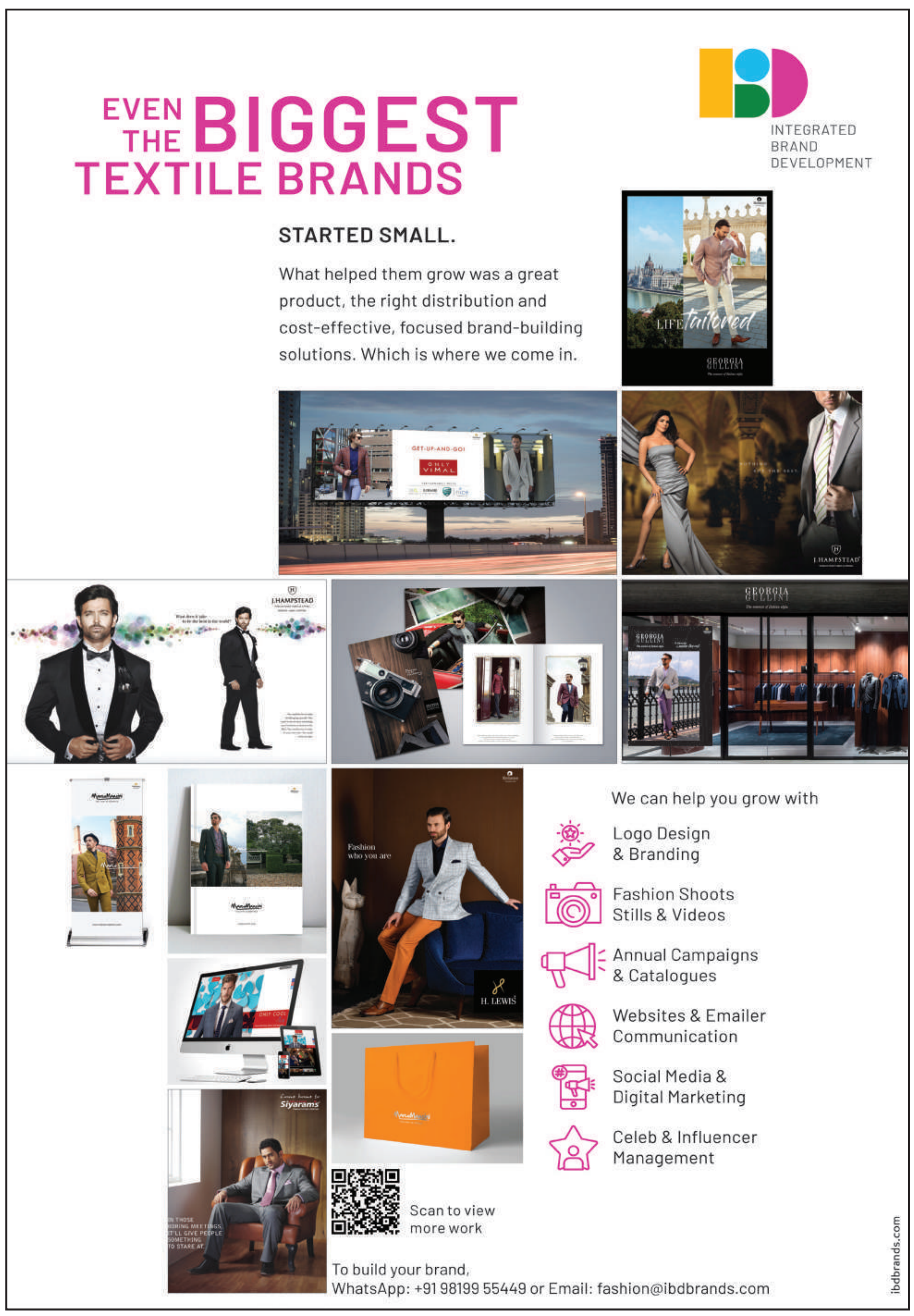

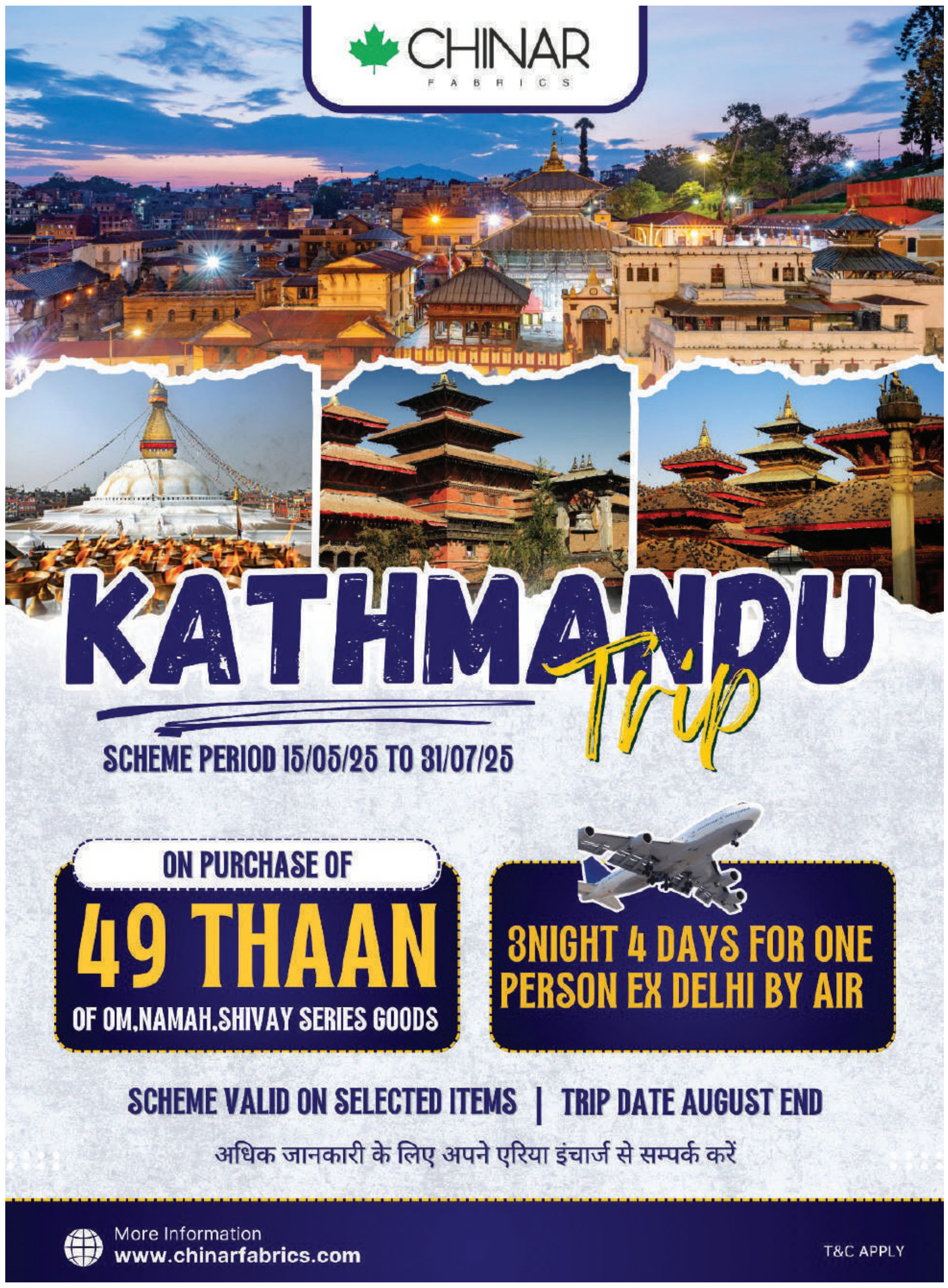

गारमेण्ट इकाइयों में उत्पादन की तेजी से कपड़ों की मांग

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

रेडीमेड गारमेण्ट में रिटेल कारोबार मंदा है। मानसून शुरू होने पर करीब दो माह तक गारमेण्ट में ग्राहकी मंद रहने की संभावना है। समर सीजन की ग्राहकी सिमटने के बाद मांग घट गई है तथा अब रिटेलरों की कोई नई खरीदी नहीं है। अनसोल्ड स्टॉक कम करने को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि अगस्त से शुरू हो रहे त्योहारी मांग के लिए नई वैरायटी से सुसज्ज हो सके। अगस्त माह में त्योहारों की भरमार है, वहीं नवम्बर से वैवाहिक सीजन शुरू हो जाएगी, इसलिए गारमेण्ट एवं कपड़ों में नई ग्राहकी जल्द निकल सकती है। नेशनल गारमेण्ट फेयर और जून अंत तक शुरू हो रहीं गारमेण्ट की सेम्पलिंग पर भी आशाएं है। यद्यपि खुलकर डिस्काउंट की कोई अधिकृत घोषणा नहीं की गई है, तथापि रिटेलर्स पुराना स्टॉक कम करने के लिए ग्राहकों को एक निश्चित सीमा में डिस्काउंट ऑफर करने लगे हैं। अनेक देशों के साथ भारत ने एफटीए किया है, जिसके कारण देश से गारमेण्ट के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त मानसून इस बार सामान्य से अच्छा रहने की धारणा से दीपावली पूर्व ही ग्रामीण क्षेत्रों में कपड़ा एवं गारमेण्ट की अच्छी ग्राहकी निकलने की संभावना बढ़ी है। माना जा रहा है कि एक बार गारमेण्ट की सेम्पलिंग पूरी हो जाए, उसके बाद गारमेण्ट इकाइयों में तद्नुसार उत्पादन करने पर जोर होगा।

रेडीमेड का रिटेल कारोबार एक समय बहुत ही अच्छी रेंज में पहुँच गया था, जो अब घटकर काफी नीचे आ गया है, परंतु इस बार ग्राहकी अच्छी रहने से व्यापारियों को गारमेण्ट कारोबार से उम्मीदें भी अधिक है। ऐसा कहा जा रहा है कि मुम्बई, इंदौर, कोलकाता और बैंगलोर की इकाइयों में गारमेण्ट कपड़ों की मांग जुलाई मध्य से शुरू हो सकती है। बांग्लादेश में एक वर्ष से अधिक समय अशांति होने से अनेक वैश्विक ग्राहकों ने अपनी सोर्सिंग बांग्लादेश से हटाकर भारत की ओर कर दिया है। भारत से गारमेण्ट का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। यहीं कारण है कि गारमेण्ट इकाइयों में उत्पादन की तेजी से कपड़ों की मांग बढ़ रही है।

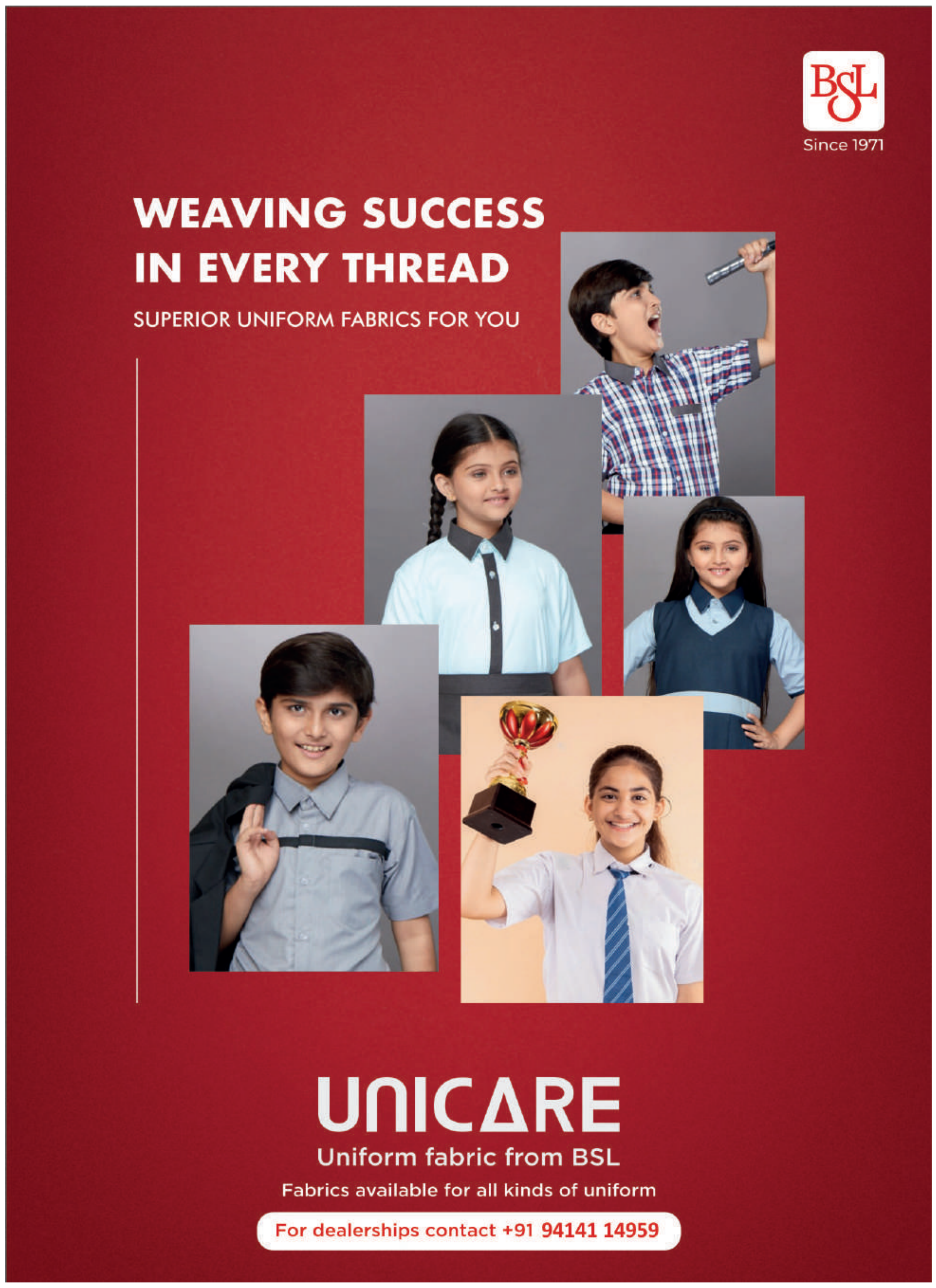

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।